के.डी. न्यूज

सुलतानपुर से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

UPHIN 47497

वर्ष–01 अंक 18 सुलतानपुर शुक्रवार 22 नवम्बर 2024 मूल्य : दो रूपया पृष्ठ : 4

लोकसभा में क्लीन स्वीप करने के बाद दिल्ली विधानसभा चुनाव में डटी बीजेपी, नए चेहरों पर पार्टी लगा सकती है दांव

एजेंसी।

दिल्ली लोकसभा चुनावों में जबरदस्त सफलता के बाद भारतीय जनता पार्टी दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी नए चेहरों पर दांव लगाने जा रही है। आम चुनाव में जहां पार्टी ने 6 सांसदों का टिकट काट दिया था, तो वहीं विधानसभा चुनाव में भाजपा लगातार मात खा रहे प्रत्याशियों को भी दरकिनार करने के मूड में दिख रही है। कुछ समय पहले संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में जबरदस्त सफलता के बाद भारतीय जनता पार्टी दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी नए चेहरों पर दांव लगाने जा रही है। आम चुनाव में जहां पार्टी ने 6 सांसदों का टिकट काट दिया था, तो वहीं विधानसभा चुनाव में भाजपा लगातार मात खा रहे प्रत्याशियों को भी दरकिनार करने के मूड में दिख रही है। दिल्ली के सत्ता से ढाई दशक से भी ज्यादा समय से दूर बीजेपी राजधानी के बदले हुए जातीय समीकरणों के आधार पर अपने टिकट तय करेगी। इसके लिए बीजेपी ने सर्वे के आधार पर तैयारी शुरू कर दी है। दिल्ली की सत्ता से कांग्रेस के हाथों 1998 में दूर हुई बीजेपी को पहले डेढ़ दशक कांग्रेस ने, तो उसके बाद आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की सत्ता से दूर रखा है और दिल्ली नगर निगम की सत्ता भी बीजेपी को आप के हाथों गंवानी पड़ी थी। इसलिए इस बार दिल्ली जीतने के लिए पार्टी समय रहते ही चुनावी रणनीति बनाने में जुट गई है। पार्टी के विश्वसनीय सूत्रों की मानें तो बीजेपी इस बार के चुनावी दंगल में बड़ी संख्या में नए प्रत्याशियों पर दांव लगाएगी। कुछ विधानसभा चुनावों से लगातार हार रहे नेताओं को इस बार चुनावी मैदान से बाहर कर नए चेहरों को मौका दिया जाएगा। तो वहीं कुछ पुराने दिग्गजों को भी चुनावी रण में उतारा जा सकता है। बीजेपी ने विधानसभा चुनाव की तैयारी में प्रदेश चुनाव समिति और घोषणापत्र समिति का ऐलान कर दिया है। दिल्ली के सभी प्रमुख नेताओं को इसमें रखने का प्रयास किया गया है। राजधानी की कई सीटों पर बदले जातीय समीकरण भाजपा दूसरे दलों के बड़े नेताओं पर भी नजर रख रही है। ऐसी सीटें जहां बीजेपी की स्थिति कमजोर है वहां बाहरी प्रत्याशियों पर दांव लगाया जा सकता है। विधानसभा चुनाव के लिए हुए सर्वे में कई सीटों पर जातीय समीकरण बदले हुए नजर आए हैं। जिसके आधार पर बीजेपी चुनावी रणनीति बना रही है ।

भारत की साझी विरासत को संजोएगी बुद्ध से कबीर तक यात्रा

बांसगांव गोरखपुर । पूर्वांचल क्षेत्र में पिछले पांच वर्षों से आयोजित हो रही बुद्ध से कबीर तक यात्रा इस वर्ष 19 नवंबर से शुरू हो गई है। यह यात्रा भारत की साझी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और शांति, सद्भावना, एवं एकता के संदेश को फैलाने का उद्देश्य रखती है। पांच दिनों की यह यात्रा इस बार गोरखपुर और आसपास के जिलों में विभिन्न स्थानों पर आयोजित की जाएगी। बुद्ध से कबीर तक यात्रा का मूल उद्देश्य भारत की गंगा–जमुनी तहजीब और संवैधानिक राष्ट्रवाद को बढ़ावा देना है। इस यात्रा के माध्यम से समाज में सद्भाव और समरसता का प्रचार किया जाता है। यात्रा में पदयात्रा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, और उद्बोधन शामिल होते हैं, जिनसे देश की एकता और सांस्कृतिक विविधता के महत्व को रेखांकित किया जाता है।यात्रा के आयोजन से संबंधित जानकारी बुद्ध से कबीर तक संस्था के संरक्षक और गुजरात के पूर्व डीजीपी डॉ. विनोद मल्ल ने साझा की। उन्होंने बताया कि इस यात्रा में देशभर के अलग–अलग समुदायों के लोग शामिल होते हैं, जो मिलकर भारत की सांझी विरासत का उत्सव मनाते हैं। यात्रा के दौरान जवाहरलाल नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. भूपेश सिंह ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम छात्रों के रचनात्मक और सांस्कृतिक विकास में सहायक होते हैं। साथ ही, जय राम सिंह ने भी इस बात पर जोर दिया कि संस्कृति के माध्यम से छात्रों में समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है।पिछले पांच वर्षों से इस यात्रा को लोगों का भारी समर्थन मिलता रहा है। यह यात्रा न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा का विषय रही है। बुद्ध और कबीर जैसे महान संतों के विचारों को पुनर्जीवित करना और उन्हें आज की पीढ़ी तक पहुंचाना इस पहल की खासियत है।यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर सामुदायिक सहभागिता के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें लोग मिल–जुलकर भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता का सम्मान करने का संदेश देंगे। यह पहल भारत के संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने के साथ–साथ युवाओं को प्रेरित करने का कार्य करती है। इस अवसर पर डॉ0 गिरजेश सिंह, डॉ0 अनिल कुमार सिंह, शरदेंदु कुमार मिश्रा, डॉ0 जयराम शर्मा, श्रुति श्रीवास्तव, अंजलि निगम, राजेश सिंह, प्रमोद सिंह, भोलेशंकर सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

देवरिया एसपी ने एसओजी प्रभारी को लाइन हाजिर किया, नवीन चौधरी को दी नई जिम्मेदारी

देवरिया। देवरिया में एक महीने के भीतर हुई चार हत्याओं ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़ा कर दिया है। इन घटनाओं के बाद एसपी संकल्प शर्मा ने एसओजी प्रभारी सादिक परवेज को लाइन हाजिर कर दिया और महुआडीह थानाध्यक्ष नवीन चौधरी को एसओजी प्रभारी की जिम्मेदारी सौंप दी। साथ ही, रामपुर कारखाना के थानाध्यक्ष जितेन्द्र सिंह को नई तैनाती दी गई है। हाल ही में हुई प्रमुख हत्याओं में अजीत सिंह, निहाल सिंह, व्यवसायी की पत्नी, और छात्र नेता विशाल सिंह शामिल हैं। इन घटनाओं में पुलिस को आरोपियों की गिरफ्तारी में कठिनाइयाँ आईं। एसपी ने पुलिस टीमों को अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। भाटपार रानी थाना में नंदा प्रसाद को नया थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। एसपी ने विश्वास जताया है कि ये बदलाव पुलिस की कार्यशैली को और बेहतर बनाएंगे।

महंगे दाम पर बेची जा रही है डीएपी

पथरदेवा देवरिया। पथरदेवा और बघौचघाट में महंगे दाम पर डीएपी खाद बेची जा रही है। किसानों से हर बोरे पर डेढ़ सौ से दो सौ रूपए अधिक वसूला जा रहा है। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत जिला कृषि अधिकारी से की है। क्षेत्र के किसान खाद की किल्लत से जूझ रहे हैं। समितियों पर डीएपी खाद आते ही खत्म हो जा रही है। मजबूरी में किसानों को प्राइवेट दुकानों का रूख करना पड़ रहा है। इसका दुकानदार जमकर फायदा उठा रहे हैं। कहीं भी दुकानों पर स्टॉक की सूची और रेट अंकित नहीं है। मंगलवार को कुछ किसान मलवाबर क्षेत्र के एक पंजीकृत दुकान पर डीएपी लेने गए थे। वहां पर दुकानदार ने खाद के लिए किसानों से पंद्रह सौ रूपए लिया।

बघौचघाट में बंदरों का आतंक – वृद्ध सहित दर्जन भर लोग हुए घायल, वन विभाग ने जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ा

बघौचघाट देवरिया। बघौचघाट थाना क्षेत्र के देवरिया धूस इलाके में बंदरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। हाल ही में मंगलवार को मुरारछापर गांव के 70 वर्षीय इंद्रजीत शर्मा पर बंदर ने हमला किया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं और उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पथरदेवा में 60 टांके लगवाने पड़े। इस घटना के बाद, इलाके के अन्य लोग भी बंदरों के हमलों का शिकार हो चुके हैं। मंगलवार को इंद्रजीत शर्मा अपने घर के दरवाजे पर कुछ काम कर रहे थे, तभी अचानक बंदर उनके शरीर पर कूद पड़ा और उन्हें जांघ और पैरों के निचले हिस्से में बुरी तरह काट लिया। आसपास के लोगों ने लाठी–डंडा लेकर बंदर को भगाया और घायल वृद्ध को इलाज के लिए अस्पताल ले गए। पिछले कुछ दिनों में इसी इलाके में बंदरों ने कई अन्य लोगों को भी काट लिया है, जिनमें महुआडिहां गांव के मुस्तिकम अंसारी, कोयरपट्टी के रमेश भारती और मुरारछापर के सूरज शामिल हैं।

वन विभाग ने किया पल्ला झाड़ा

ग्रामीणों द्वारा बंदर पकड़ने की शिकायत किए जाने पर वन विभाग का कहना है कि 2023 से बंदरों और अन्य जंगली जानवरों को पकड़ने की जिम्मेदारी ग्राम पंचायतों और नगर पंचायतों को सौंप दी गई है। वन विभाग का कहना है कि अब इस मामले में विभाग कोई कदम नहीं उठा सकता।

ग्रामीणों का कहना है कि बंदरों के आतंक से उन्हें अपने रोजमर्रा के काम में भी परेशानी हो रही है। बंदरों के हमलों से लोगों में डर का माहौल बना हुआ है, और कई लोग अब अपने रास्ते तक बदलने को मजबूर हो गए हैं। ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन से जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान निकालने की अपील की है, ताकि उनके जीवन और संपत्ति को बचाया जा सके।

देवरिया रोजगार मेला – 43 अभ्यर्थियों में से 16 का चयन, युवाओं के लिए एक नई दिशा

देवरिया। देवरिया में आयोजित रोजगार मेले में 43 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से 16 अभ्यर्थियों का चयन एक प्रमुख कंपनी द्वारा किया गया। यह रोजगार मेला जिला सेवायोजन कार्यालय और मॉडल करियर सेंटर, देवरिया के सहयोग से डॉ. आशीष पैरामेडिकल कॉलेज में आयोजित किया गया। रोजगार मेले में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों ने अपनी कड़ी मेहनत और कौशल का प्रदर्शन किया। जिला सेवायोजन अधिकारी रोहन अपूर्व सिन्हा ने चयनित अभ्यर्थियों को बधाई दी और बाकी अभ्यर्थियों को प्रेरित किया कि वे अपने प्रयासों में और सुधार कर भविष्य में सफलता प्राप्त करें। इस रोजगार मेले का उद्देश्य युवाओं को नौकरी के अवसर प्रदान करना था, जिससे वे अपने करियर की दिशा तय कर सकें। यह पहल स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार पाने का एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हुई।

उर्वरकों की कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई, रबी फसलों के लिए पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध – डीएम

देवरिया। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने रबी फसलों के लिए उर्वरकों की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था को लेकर कड़े निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि उर्वरक की कालाबाजारी करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा, और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि उर्वरकों का वितरण पारदर्शी प्रक्रिया के तहत पीओएस मशीनों के माध्यम से किया जाएगा, जिसे राजस्व विभाग के अधिकारी कड़ी निगरानी में रखेंगे। रबी फसलों के लिए आवश्यक डीएपी और एनपीके जैसे फास्फेटिक उर्वरकों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही, उन्होंने उर्वरकों के अवैध परिवहन और अनियमितताओं पर कड़ी निगरानी रखने के लिए पुलिस और स्टेट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो को निर्देश दिए हैं, विशेष रूप से बिहार सीमा से सटे क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ाने की बात कही। डीएम ने यह भी स्पष्ट किया कि उर्वरकों की अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर बिक्री की जाएगी। अगर कोई विक्रेता एमआरपी से अधिक मूल्य पर उर्वरक बेचता है, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

अपर जिला जज ने किया वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण, पीड़िताओं के विधिक अधिकारों का संरक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश

देवरिया। जिला एवं सत्र न्यायाधीशध्सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मनोज कुमार तिवारी ने वन स्टॉप सेंटर का औचक निरीक्षण किया, जिसके दौरान उन्होंने पीड़िताओं के विधिक अधिकारों के संरक्षण और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। यह निरीक्षण जनपद न्यायाधीश श्री देवेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। निरीक्षण के दौरान, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने साफ–सफाई, सुरक्षा और विधिक साक्षरता प्रदान करने की व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए केंद्र प्रबंधक नीतू भारती को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जिन महिलाओं को विधिक सहायता की आवश्यकता है, उनके मामलों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में संदर्भित किया जाए ताकि राष्ट्रीय लोक अदालत (14 दिसंबर 2024) में उनका निस्तारण किया जा सके। उन्होंने इस अवसर पर महिलाओं के विधिक अधिकारों और उनके संरक्षण पर विस्तृत चर्चा की, और समाज को इस दिशा में जागरूक करने की आवश्यकता पर बल दिया। अपर जिला जज ने कहा, हमारा लक्ष्य है कि कोई भी पीड़िता अपने विधिक अधिकारों से वंचित न रहे और उन्हें समय पर न्याय मिले।

स्नान करने गए बुजुर्ग की डूबने से मौत, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

देवरिया। जिले के बरियारपुर थाना क्षेत्र के आमघाट में स्नान करने गए एक बुजुर्ग की नदी में डूबने से मौत हो गई। मृतक भ्रगुनाथ (पुत्र कांता) गांव के समीप स्थित नदी में नहाने के लिए गए थे, जहां डूबने से उनकी जान चली गई। घटना की जानकारी मिलने पर बरियारपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।यह घटना क्षेत्र में शोक की लहर छोड़ गई है, और पुलिस प्रशासन ने इस मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है।

दुकान का ताला तोड़ कर चोरो ने उड़ाया लाखो के कीमत का कम्प्यूटर व सामान

खजनी गोरखपुर । गोरखपुर जनपद के खजनी थाना क्षेत्र चोर फिर सक्रिय हो गए है , डोडो चौराहे पर स्थित कम्प्यूटर जनसेवा केंद्र के दुकान का ताला तोड़ कर चोर लाखो के कीमत का लैपटॉप कम्प्यूटर एंवर्टर बैटरी सहित कुछ कैश उड़ा ले गए। सुबह जब दुकान पहुंचा तो टूटा ताला देख दुकानदार के होश उड़ गए। गरीबी के मंजर से जूझ रहे बेरोजगार के ऊपर बड़ा कहर चोरो ने गिरा दिया है। दुकान से जीविका चलाने वाला दुकानदार कर्ज और मित्रो के सहयोग लैपटॉप लाया वह भी चोर उठा ले गए। चोर रात अपने मकशद में कामयाब होते जा रहे है। मामला खजनी थाना क्षेत्र ग्राम सभा डोडो चौराहे का है, जहां बुधवार की रात चोरों ने शुयस कम्प्यूटर सेंटर का ताला तोड़ कर महंगे कंप्यूटर व लैपटॉप सेट उड़ा ले गए, वहीं कम्प्यूटर संचालक छोटेलाल पासवान ने बताया कि लगभग दो लाख के समान चोर उठा ले गए है। मित्र का महंगा लैपटॉप लाया था, वह भी चोर उठा ले गए है। किसी तरह से रोजी रोटी आय जाति अधिवास प्रमाण पत्र ऑनलाइन कर अपनी जीवीको पार्जन करता था, चोरो को वो भी रास न आया। मेरी पूरी दुकान खाली कर गए।

मनरेगा अधिकारी पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप, प्रधान संगठन ने की कार्रवाई की मांग

पीलीभीत । पीलीभीत के पूरनपुर ब्लॉक में मनरेगा योजना के तहत तैनात अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं। प्रधान संगठन ने इन आरोपों को लेकर मुख्यमंत्री से कार्रवाई की मांग की है। संगठन का आरोप है कि अधिकारी प्रधानों और रोजगार सेवकों से कमीशन की मांग कर रहे हैं, जिससे क्षेत्र में असंतोष बढ़ रहा है। प्रधान संगठन के जिला अध्यक्ष नरेश पाल सिंह चौहान ने बताया कि अधिकारी द्वारा कच्चे और पक्के कार्यों के लिए कमीशन मांगा जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह अधिकारी अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर भ्रष्टाचार में लिप्त है। पहले इस अधिकारी का स्थानांतरण मरौरी ब्लॉक किया गया था, लेकिन उन्होंने अपने रसूख से इसे रद्द करवा लिया। इसके बाद से उनकी स्वेच्छाचारिता और बढ़ गई है। प्रधान संगठन ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में मांग की है कि इस अधिकारी का तत्काल स्थानांतरण किया जाए। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि मांग पूरी नहीं हुई तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

अवैध रेत खनन पर प्रशासन का बड़ा एक्शन, रात 12 बजे उपजिलाधिकारी ने मारा छापा

पीलीभीत । अवैध रेत खनन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए बड़ा एक्शन लिया है। बीती रात उपजिलाधिकारी पूरनपुर ने हरिपुर किशनपुर नहर के पास छापेमारी की, जहां अवैध खनन और ट्रैक्टर–ट्रॉलियों के निशान पाए गए। यह छापेमारी रात 12 बजे की गई, जिससे खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया। सूत्रों के अनुसार, रात के अंधेरे में खनन माफिया नहर से रेत निकाल रहे थे। प्रशासन की अचानक कार्रवाई के चलते माफिया अपनी ट्रॉलियां लेकर भागने में कामयाब रहे। उपजिलाधिकारी ने इस मामले में स्थानीय लेखपालों और संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं और अवैध खनन पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। इस कार्रवाई के बाद से क्षेत्र में अवैध खनन को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। नवागत थाना प्रभारी ने भी सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र में खनन माफियाओं पर नकेल कसने के प्रयास तेज कर दिए हैं।

किसान दिवस बैठक में विभिन्न योजनाओं की जानकारी, किसानों की समस्याओं का समाधान जल्द – डीएम

देवरिया। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल की अध्यक्षता में विकास भवन के गांधी सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर किसानों की समस्याओं का समाधान करने के लिए जिला प्रशासन ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाने का आश्वासन दिया। बैठक में किसानों ने नलकूप विद्युत कनेक्शन में देरी, गन्ना भुगतान, और कृषि यंत्रों के दामों में वृद्धि जैसी समस्याएं उठाईं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए। नलकूप कनेक्शन की शीघ्र जारी करने, नहरों की सफाई, और गन्ना भुगतान को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा, कृषि यंत्रों की कीमतों पर नियंत्रण के लिए कृषि यंत्र डीलरों के साथ बैठक आयोजित करने की बात कही गई।

वीरांगना दिवस और बाल अधिकार दिवस पर राजकीय बालगृह देवरिया में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

देवरिया। राजकीय बालगृह (बालक), देवरिया में मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत वीरांगना दिवस और बाल अधिकार दिवस के अवसर पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महिला सीमा जायसवाल ने अपनी संघर्षपूर्ण जीवन यात्रा साझा की, जिससे उपस्थित सभी लोग प्रेरित हुए। उन्होंने समाज में बदलाव लाने के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में एसआई अनीता ने रानी लक्ष्मीबाई के जीवन पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी, जो महिलाओं के साहस और संघर्ष का प्रतीक हैं। इसके साथ ही, बाल अधिकार दिवस के अवसर पर बालकों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जिला परिवीक्षा अधिकारी अनिल कुमार सोनकर, राजकीय बालगृह (बालक) के प्रभारी अधीक्षक रामकृपाल, वन स्टॉप सेंटर देवरिया की प्रबंधक नीतू भारती, और इनर क्लब की सीमा जायसवाल समेत कई सम्मानित लोग उपस्थित थे। महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और टोल फ्री नंबर की जानकारी भी प्रदान की गई। यह आयोजन बच्चों और महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

डीएपी के नहीं मिलने से रबी की बुवाई में हो रही देरी

भाटपार रानी। स्थानीय तहसील क्षेत्र के कोड़र , टीकमपार, खामपार, भिंगारी, पड़रीउमन आदि समितियों पर पहली खेप में मात्र 300 बोरी डीएपी आई। इसके लिए किसानों की गोदाम पर भारी भीड़ लग गई, जो एक ही दिन में बंटकर कर समाप्त हो गई। उसके बाद दूसरी खेप डीएपी अभी नहीं आई है। समितियों पर यह 1350 रुपए प्रति बोरी की दर से बांटी गई। किसानों का कहना है कि यह ऊंट के मुंह में जीरा के समान है। वे प्राइवेट दुकानों से 1600 से घ1700 प्रति बोरी की दर से डीएपी लेने के लिए मजबूर हैं। क्योंकि जब तक समितियों का आशा करेंगे तब तक उनके खेत सूख जाएंगे और गेहूं की बुवाई पिछड़ जाएगी। लगभग यही हाल बनकटा ब्लाक के समितियों का भी है। बुद्धवार को बनकटा विकास खण्ड क्षेत्र के सहकारी साधन समिति के सोहनपुर, भैंसहीं और छितौनी के तीनों समितियों पर प्रति समिति 160 उपलब्ध जिसका वितरण कल किया जाएगा। बाकी समितियों के लोग दूसरी खेप का इंतजार कर रहे हैं। जिनका खेत तैयार है वह बाजार से महंगे दामों पर डीएपी लेकर बुवाई कर रहे हैंघ।

सम्पादकीय...

अपनी सेहत को दांव पर लगाने पर लोग आमादा

लोग खुद ही अपनी सेहत को दांव पर लगाने पर आमादा हों, तो उस समाज को आखिर कौन बचा सकता है? डॉक्टर चेतावनी देते–देते थक गए हैं कि प्रदूषण जानलेवा भी हो सकता है। मगर जागरूकता और जवाबदेही का अभाव जस–का–तस है।

छठ के मौके पर दिल्ली में यमुना के प्रदूषण पर आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच तू तू–मैं मैं अब इतनी आम हो गई है कि लोग उससे ऊबने लगे हैं। मुद्दा है कि जब यह स्थायी समस्या है, तो छठ के बाद उस पर इन दोनों पार्टियों का ध्यान क्यों नहीं होता, जिनकी केंद्र और (केंद्र शासित) प्रदेश में सरकारें हैं? फिर सामान्य दिनों में नागरिक समाज को भी इसकी कोई फिक्र नहीं होती। यही हाल दिल्ली और आसपास के इलाकों में इस सीजन में बढने वाले वायु प्रदूषण की है। फिर वही हुआ। एक और दिवाली आई और फिर दिल्ली एनसीआर स्मॉग की चादर से ढक गया। पटाखों पर प्रतिबंध सिर्फ कागज पर रहा। लोगों ने जितनी मांग की, उतने पटाखे दुकानों में बिके, लोगों ने खरीदे और मन भर कर जलाए भी।अब लोग खुद ही अपनी सेहत को दांव पर लगाने पर आमादा हों, तो उस समाज को आखिर कौन बचा सकता है? डॉक्टर चेतावनी देते–देते थक गए हैं कि प्रदूषण सिर्फ थोड़ी–सी खांसी ही नहीं देता, बल्कि यह जानलेवा तक साबित हो सकता है। मगर भारत में जागरूकता और जवाबदेही का अभाव जस–का–तस है। अब इस क्रम में एक अंतरराष्ट्रीय पहलू भी जुड़ा है। पाकिस्तान भी वायु प्रदूषण के दुष्प्रभाव झेल रहा है। खासकर लाहौर शहर बुरी तरह प्रभावित हुआ है। यह कम दिलचस्प नहीं कि प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने लाहौर में खराब होती हवा के लिए भारत को जिम्मेदार ठहरा दिया है।उनका कहना है कि भारत से आने वाली हवा अपने साथ प्रदूषण लेकर आती है, जिससे लाहौर की हवा खराब हो रही है। जबकि खुद पाकिस्तान में तैयार रिपोर्टों में कहा गया है कि खराब वायु गुणवत्ता के प्रमुख कारणों में उद्योगों और वाहनों से निकलने वाला धुआं शामिल है। इसके अलावा खेती की पद्धति, जैव ईंधन और कचरे को जलाना और धूल इसके अन्य पहलू हैं। मगर गंभीर समस्या पर अगंभीर और बे–ईमान रुख की संस्कृति पाकिस्तान में भी कोई कम नहीं है। बहरहाल, ऐसे नजरियों से कुछ हासिल नहीं होगा, यह बात हर जागरूक व्यक्ति अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।

जलवायु संकट अभी भी मुद्दा नहीं

जलवायु संकट देश, नस्ल, धर्म और जाति के भेद के बिना सभी को मार रहा है, बरबादी की ओर ले जा रहा है लेकिन देशों और नेताओं के लिए अभी भी मुद्दा नहीं बना है।वर्ष 2024 रिकार्ड बना रहा है। रोजाना जबरदस्त गर्मी और विनाशकारी तूफान की खबरें आ रही है। लोगों की जिंदगी और जीविका के साधन ताश के पत्तों के ढेर की तरह ढहते दिख रहे है।इस साल गर्मी के मौसम में ऐसे मौके भी आए जब सब कुछ नष्ट होना लगभग अवश्यंभावी दिख रहा था। मौसमी उन्माद के साथ–साथ बीमारियों में भी बढ़ोतरी है। बीमारियां अजीब और अप्राकृतिक है।

हाल में हमारे पारिवारिक चिकित्सक ने बताया कि इस प्रकार का डेंगू फैल रहा है जिसमें सिर्फ प्लेटलेट्स की संख्या ही नहीं घटती बल्कि एक दिन बुखार आता है और उसके बाद कई दिनों तक नहीं आता और एसजीपीटी और एसजीओटी (लीवर की स्थिति बताने वाले दो हारमोन) के स्तर में तेज वृद्धि होती है।इसलिए यदि आपको आज बुखार है तो मेहरबानी करके कल ही अपनी जांच करवा लें। जोखिम उठाना ठीक नहीं।काफी जटिल स्थितियां का दौर है। और कोई भी इन जटिलताओं की मूल वजह दृ जलवायु में बदलाव दृ को गंभीरता से लेने के लिए तैयार नहीं है। न तो राजनैतिक बहस–मुबाहिसों में और न चुनावी चर्चाओं में इसका जिक्र होता है। पिछली गर्मियों में हुए हमारे आम चुनाव के दौरान जलवायु संकट चर्चा का मुद्दा नहीं था। इन दिनों दो राज्यों में चुनाव हो रहे है, लेकिन किसी भी छोटे–बड़े राजनैतिक दल या उसके किसी नेता ने इस बारे में कुछ भी नहीं कहा है।

कानूनी दायरे में कैसे लाए जाएं चुनावी वायदे

चुनाव घोषणा पत्रों और आज के दृष्टि और संकल्प पत्रों में किए वायदों और उन्हें लागू किए जाने को लेकर ठोस शोध जरूरी है। लेकिन मोटे तौर पर इनमें दर्ज ज्यादातर वायदे पूरे हो ही नहीं पाते। इसलिए मतदाताओं के एक वर्ग अलग ढंग से सोचने लगा है।चुनाव घोषणा पत्रों में किए वायदों को पूरा न कर पाने को लेकर सत्ता में आने वाला हर राजनीतिक दल मतदाताओं और विपक्षी दलों के निशाने पर रहा है। मतदाताओं की बढ़ती जागरूकता के चलते इन आलोचनाओं से बचने के लिए राजनीतिक दलों ने अब चुनाव घोषणा पत्र जारी करना बंद कर दिया है। 2012 के उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में उतरी कांग्रेस ने राज्य के लिए विजन डाक्युमेंट जारी किया। इसके बाद सभी दलों ने चुनाव घोषणा पत्र के शीर्षक को तकरीबन त्याग दिया। अब भारतीय जनता पार्टी हर चुनाव के पहले संकल्प पत्र जारी करती है तो कांग्रेस अब गारंटियां देने लगी हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी ने पांच गारंटी देने का वादा किया। जो उसके लिए बहुत हिट रहा। अब पार्टियां गारंटी देती हैं, दृष्टि पत्र प्रस्तुत करती हैं और संकल्प पत्र प्रस्तुत करती हैं। गारंटी और संकल्प जैसे शब्द एक तरह से गवाह हैं कि राजनीतिक दलों के वायदों को लेकर मतदाताओं का एक बड़ा अब आलोचनात्मक रूख ही नहीं रखता है, बल्कि उन पर भरोसा भी नहीं करता। घोषणा पत्र भले ही अब गारंटी या दृष्टि या संकल्प पत्र में तबदील हो गए हों, लेकिन अब भी उनकी साख नहीं बन पाई है। इसकी वजह यह है कि कई बार राजनीतिक दल वोटरों को लुभाने के चक्कर में ऐसे भी वायदे कर डालते हैं, जिन्हें पूरा कर पाना उनके लिए संभव नहीं होता। राजनीतिक दल भी जानते हैं कि संकल्प, दृष्टि या गारंटी पत्र में दिए वायदों को शत–प्रतिशत पूरा करना संभव नहीं है और अगर वे करते भी हैं तो सरकारी अर्थव्यवस्था का चरमरा सकती है। फिर वे वायदे करते हैं या कह सकते हैं कि सत्ता के लक्ष्य को लेकर चलने वाली मौजूदा राजनीति की यह मजबूरी भी है। चुनाव घोषणा पत्रों और आज के दृष्टि और संकल्प पत्रों में किए वायदों और उन्हें लागू किए जाने को लेकर ठोस शोध जरूरी है। लेकिन मोटे तौर पर इनमें दर्ज ज्यादातर वायदे पूरे हो ही नहीं पाते। इसलिए मतदाताओं के एक वर्ग अलग ढंग से सोचने लगा है। मतदाताओं के एक वर्ग का मानना है कि चाहे जिस भी फ्रेम में चुनाव घोषणा पत्र जारी हों, उन्हें उपभोक्ता कानून के दायरे में लाना चाहिए। जिस तरह किसी प्रोडक्ट का निर्माता अपने प्रोडक्ट को लेकर गारंटी या वारंटी देता है, और जब वे पूरे नहीं होते तो उसके प्रोडक्ट खरीदने वाले उत्पादक के खिलाफ उचित फोरम में जाकर शिकायत दर्ज करा सकते हैं, उसी तरह चुनावी घोषणा पत्रों को लेकर भी कानून होने चाहिए। इस वर्ग का मानना है कि एक फोरम ऐसा भी होना चाहिए, जिसे कानूनी ताकत हासिल हो और जो चुनावी वायदाखिलाफी की सुनवाई कर सके। चुनाव घोषणा पत्रों की स्थिति संविधान के नीति निर्देशक तत्वों की तरह ही है। नीति निर्देशक तत्व राज्य से लोक हित के तमाम कदम उठाने को लेकर उम्मीद तो करता है, लेकिन राज्य के लिए ऐसा करना अनिवार्य नहीं बनाता। नीति निर्देशक तत्वों के तहत राज्य या सरकार कदम नहीं उठाती तो किसी को भी किसी भी अदालत में इसकी शिकायत की ना तो अनुमति है और ना ही कोई अदालत ऐसी सुनवाई कर भी सकती है। चुनाव घोषणा पत्रों की भी कुछ ऐसी ही स्थिति है। हालांकि ऐसा नहीं है कि चुनाव घोषणा पत्रों को लेकर अदालतों के सामने सवाल नहीं उठे। चुनाव घोषणा पत्र को लेकर दाखिल एक याचिका पर सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 5 जुलाई 2013 को अपना फैसला सुनाया था। एस. सुब्रमण्यम बालाजी बनाम तमिलनाडु सरकार और अन्य के मामले में देश की सबसे बड़ी अदालत ने चुनाव आयोग को सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की सलाह से चुनावी घोषणापत्र के संबंध में दिशा–निर्देश तैयार करने का निर्देश दिया था। इस फैसले में कोर्ट ने कहा था, – चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के बीच समान अवसर सुनिश्चित करने और यह देखने के लिए कि चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता पर आंच ना आए, घोषणापत्र को लेकर निर्देश जारी करे। जैसे आयोग आदर्श आचार संहिता के निर्देश जारी करता है। – आयोग के पास संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए ऐसे आदेश दे सकता है। – अदालत को पता है कि सामान्यतया राजनीतिक दल मतदान के पहले चुनाव घोषणा पत्र जारी करते हैं, ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग के पास किसी भी कार्य को रेगुलेट करने का अधिकार नहीं होता है। फिर भी, घोषणा पत्र को लेकर अपवाद बनाया जा सकता है, क्योंकि चुनावी घोषणापत्र का उद्देश्य सीधे चुनाव प्रक्रिया से जुड़ा होता है। इसके बाद चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से विचार–विमर्श के बाद साल 2015 में चुनाव घोषणा पत्र को लेकर गाइड–लाइन जारी की थी। इसके अनुसार, – चुनाव घोषणापत्र में संवैधानिक आदर्शों और सिद्धांतों से इतर कुछ भी नहीं होगा और यह आदर्श आचार संहिता के अन्य प्रावधानों की भावना के अनुरूप होगा। – संविधान में निहित राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के तहत राज्यों को नागरिकों के लिए विभिन्न कल्याणकारी उपाय करने के आदेश हैं, इसलिए चुनावी घोषणा पत्रों में ऐसे कल्याणकारी उपायों के वायदे पर कोई आपत्ति नहीं हो सकती। हालांकि, राजनीतिक दलों को ऐसे वादे करने से बचना चाहिए, जिनसे चुनाव प्रक्रिया की शुचिता पर असर पड़ सकता है या मतदाताओं पर उनके मताधिकार का प्रयोग करने में अनुचित प्रभाव पड़ने की आशंका हो। – पारदर्शिता, समान अवसर और वायदों की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए अपेक्षा की जाती है कि घोषणापत्र में किए गए वादे स्पष्ट हों और इसे पूरा करने के लिए वित्तीय संसाधन कैसे जुटाए जाएंगे, इसकी भी जानकारी हो। मतदाताओं का भरोसा उन्हीं वादों पर हासिल करना चाहिए, जिन्हें पूरा किया जाना संभव हो। दुर्भाग्यवश चुनाव आयोग की गाइड लाइन भी बहुत प्रभावी नहीं हो पा रही है। हवा–हवाई वायदे भी खूब किए जा रहे हैं। इनमें रोजगार और नौकरियों को लेकर की जाने वाले वायदे पहले नंबर पर हैं। कल्याणकारी योजनाएं भी इसी कैटेगरी में आती हैं। लेकिन बहुत कम राजनीतिक दल ऐसे हैं, जो कल्याणकारी योजनाओं से संबंधि वायदे करते वक्त उन्हें पूरा करने के लिए जुटाई जाने वाली रकम और उनके स्रोत और तरीकों की जानकारी नहीं देते। मतदाताओं की बढ़ती जागरूकता का दबाव ही है कि कल्याणकारी योजनाओं को लेकर वायदे खूब हो रहे और हर राजनीतिक दल अपने ढंग से लागू भी कर रहा है। भले ही राज्य के खजाने की हालत खस्ता ही क्यों ना हो जाए। लेकिन यह भी सच है कि उस पर खर्च होने वाले फंड के स्रोत को लेकर जानकारी नहीं दी जा रही। साफ है कि चुनाव आयोग की गाइड लाइन इस संदर्भ में नाकाम लग रही है। मौजूदा आर्थिकी में लाभ पर जोर है, रोजगार का सवाल लगातार पीछे छूटता जा रहा है। इसे उलटबांसी ही कहेंगे कि राजनीतिक दल इसी आर्थिकी को आगे बढ़ाने के साथ ही हवाई वायदों की फेहरिस्त भी जारी करते रहते हैं। चूंकि वोटरों के हाथ बंधे हुए हैं, इसलिए वे भी सवाल उठाने से ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। यहां पर याद आता है, संविधानसभा के सदस्य अनंत शयनम अयंगार के वे शब्द, जो उन्होंने नीति निर्देशक तत्वों पर अदालती चाबुक के तर्क के विरोध में दिया था। तब उन्होंने जनता की ताकत पर भरोसा जताते हुए कहा था कि पांच साल में एक बार जब चुनाव होंगे, तब मतदाताओं के लिए यह विकल्प होगा कि वे उन्हीं लोगों को न चुनें जो जनता की राय से अलग हैं। लेकिन क्या ऐसा हो पा रहा है? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। ऐसे में सवाल उठता है कि फिर हवाई वायदे ना हों और जो किए जाएं, उन्हें लागू कैसे किया जाए? निश्चित तौर पर इसके लिए एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग को भी आगे आना होगा। मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था इस आत्म नियंत्रण करने से रही। चूंकि वायदों में ही सबका फायदा है,

साहित्य के नाम पर मनोरंजन का मंच

पिछले साल हिंदी के प्रख्यात लेखक एवम संस्कृतिकर्मी अशोक वाजपेयी ने इसलिए इस समारोह का बहिष्कार किया था कि उनसे आयोजकों ने पूछा था कि वे पहले सूचित करें कि वे मंच पर क्या बोलेंगे। लेकिन इस बार आइटम गर्ल को बुलाए जाने से विवाद अधिक है।ज् साहित्य के नाम पर मनोरंजन का मंच सजाने पर उस मंच की शोभा बढ़ाने की बजाय अगर लेखक जन आंदोलनों में शामिल हों और लेखन, पठन का अपना मंच सजाएं तो क्या वह ज्यादा बेहतर नहीं होगा?पिछले कुछ दिनों से हिंदी साहित्य की दुनिया में हंगामा बरपा हुआ है। एक टीवी चौनल के साहित्यिक कार्यक्रम में लेखकों के साथ–साथ बॉलीवुड के सितारों को बुलाए जाने के कारण सोशल मीडिया पर यह हंगामा मचा हुआ है। इस बीच पिछले दिनों दो लेखक संगठनों के दो पदाधिकारियों ने इस्तीफा भी दे दिया, जिससे इस मामले ने अधिक तूल पकड़ लिया। एक लेखक के बारे में कहा जा रहा है कि उसने टीवी चौनल के साहित्योत्सव में जाने पर अपने मित्र लेखक द्वारा तंज किए जाने के कारण इस्तीफा दिया है।जो लोग इस तरह के समारोहों में जा रहे हैं उनका तर्क है कि लेखकों को हर मंच पर जाना चाहिए और इस तरह जनता से जुडना चाहिए क्योंकि हमारे लेखक संगठन जनता से नहीं जुड़े हैं। इन लेखकों का कहना है कि हम किसी भी मंच पर जाएं लेकिन हमें अपनी बात खरी–खरी कहनी चाहिए। लेकिन जो लोग इस टीवी चौनल के साहित्योत्सव के विरोधी हैं उनका तर्क है कि अगर बॉलीवुड के लोगों को बुलाना है तो साहित्य की आड़ में यह क्यों किया जा रहा, इसे श्साहित्य आज तक्य की बजाय श्मनोरंजन आज तक्य के नाम से किया जाए।आखिर साहित्य के जलसे में आइटम गर्ल को क्यों बुलाया जा रहा। उनका तर्क यह भी है कि इस तरह के टीवी चौनलों के मंच सांप्रदायिक लोगों द्वारा संचालित हैं और वह साहित्य को बाजार बनाने में लगे हुए हैं। इसलिए उनके मंच से उनके खिलाफ बात नहीं कहीं जा सकती और अगर किसी ने कहा भी तो उसका व्यापक असर नहीं होने वाला है क्योंकि ज्यादातर वक्ता बाजार के समर्थक ही हैं। पिछले साल हिंदी के प्रख्यात लेखक एवम संस्कृतिकर्मी अशोक वाजपेयी ने इसलिए इस समारोह का बहिष्कार किया था कि उनसे आयोजकों ने पूछा था कि वे पहले सूचित करें कि वे मंच पर क्या बोलेंगे। लेकिन इस बार आइटम गर्ल को बुलाए जाने से विवाद अधिक है। अब हिंदी के लेखकों में ध्रुवीकरण भी हो गया है। लेखिकाओं में भी विभाजन हो गया है। एक वर्ग आइटम गर्ल को बुलाए जाने का समर्थक है तो एक वर्ग विरोधी। इस तरह साहित्य की दुनिया में इन दिनों उथल–पुथल अधिक है। हिंदी के लेखकों का एक धड़ा, जिनमें कुछ प्रगतिशील और कलावादी भी हैं, वह इस समारोह में भाग ले रहा है, जबकि एक धड़ा उसका लगातार विरोध कर रहा है।भाग लेने वालों में पुरुषोत्तम अग्रवाल, अरुण कमल और गौहर राजा जैसे लोग हैं तथा बाबुषा कोहली, अनुराधा सिंह और लवली गोस्वामी एवम जोशना बनर्जी जैसी कवयित्रियां भी। कुछ साल पहले इसी टीवी चौनल के साहित्यिक कार्यक्रम में हिंदी के प्रगतिशील जनवादी कवि राजेश जोशी के भाग लेने पर काफी तीखी प्रतिक्रिया हुई थी। लेकिन इसके बावजूद जनवादी लेखक इस समारोह में जाते रहे। अब प्रगतिशील लेखक संगठन ने पिछले दिनों चंडीगढ़ में एक प्रस्ताव पारित कर कॉरपोरेट के समारोहों में भाग लेने से लेखकों को मना किया है। पर दो अन्य वाम लेखक संगठनों ने इस तरह का प्रस्ताव नहीं पारित किया है।आखिर क्या कारण है कि इस तरह के आयोजन को लेकर हिंदी में तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की जा रही है? पिछले 10–15 वर्षों से हिंदी में लिट् फेस्ट की संख्या काफी बढ़ी है और उनमें हिंदी के लेखक बुलाए जा रहे हैं। कहा यह जा रहा है कि जिन लोगों को लिट् फेस्ट में नहीं बुलाया जा रहा है वह अपनी कुंठा के कारण उसका विरोध कर रहे हैं। लेकिन हिंदी जगत में कुछ ऐसे लेखक हैं, जो ऐसे मंचों पर कभी जाते ही नहीं। वह इन मंचों को तमाशाई, अगम्भीर, उत्सव धर्मी अधिक मानते हैं। इन मंचों से कायदे की कोई बात नहीं कहीं जा सकती है और न सुनी जा सकती है। लेकिन लेखकों का एक तबका यह कहता है कि हमें बाजार से परहेज नहीं करना चाहिए। आखिर हमारी किताबों को बाजार में ही बिकना है इसलिए अगर हम अधिक से अधिक बाजार तलाशेंगे तो अधिक पाठकों तक पहुंचेंगे।शायद यही कारण है कि सोशल मीडिया पर आज का लेखक अपनी किताब का खुद प्रचार–प्रसार करता हुआ दिख रहा है। हिंदी में ऐसे भी लेखक हैं जो यह काम नहीं करते हैं और यह मानते हैं कि किताब का प्रचार–प्रसार करना प्रकाशक की जिम्मेदारी है ना कि लेखक की। इससे पहले हिंदी के लेखक अपनी किताबों का इस तरह प्रमोशन नहीं करते थे और प्रचार नहीं करते थे। यह सारी जिम्मेदारी पहले प्रकाशक की थी। ऐसे में लेखक प्रकाशक का यह काम क्यों कर रहे हैं?

फिल्मी दुनिया/सेहत

सुष्मिता सेन इरादों को अमल में लाने में रखती हैं विश्वास

अभिनेत्री सुष्मिता सेन, जिन्हें आखिरी बार स्ट्रीमिंग क्राइम–थ्रिलर सीरीज आर्या सीजन 3 में देखा गया था, इरादों को अमल में लाने में विश्वास रखती हैं।अभिनेत्री ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया। उन्होंने लिखा, एक इंच आगे बढ़ने एक मील के सपने देखने से बेहतर है।उन्होंने

कैप्शन में एक नोट भी लिखा, जिसमें उन्होंने सपनों को भी शक्तिशाली बताया लेकिन उन्होंने सपनों को क्रियान्वित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने लिखा, यह आश्चर्यजनक है कि किसी भी चीज को हासिल करने की यात्रा कितनी सरल हो सकती है। इरादा एक शक्तिशाली उपकरण है, यह दिशा देने में मदद करता है लेकिन बिना गति के यह एक बेकार उपकरण है। इंच दर इंच हम मील तय करते हैं। इससे पहले अभिनेत्री अपने दांत के दर्द का इलाज कराने के लिए एक दंत चिकित्सक के पास गई थी। जब वह दंत चिकित्सक के क्लिनिक के बाहर क्लिक की गई, क्लिनिक के बाहर खड़े पैपराजी से बातचीत की, तो यह स्पष्ट था कि उन्हें स्थानीय एनेस्थीसिया की भारी खुराक दी गई थी, क्योंकि उसकी बोली लड़खड़ा रही थी। दर्द में होने के बावजूद, अभिनेत्री ने अपनी खास गर्मजोशी और करुणा के साथ पैपराजी का अभिवादन किया।

महिला के संघर्ष को बखूबी बयां करती हैं अवार्ड विनिंग क्लासिक फिल्म ढाई आखर, 22 नवम्बर को होगी रिलीज

निर्देशक प्रवीन अरोड़ा की फिल्म ढाई आखरच्य एक क्लासिक लव स्टोरी है, जो एक महिला की अपनी पहचान ढूंढने की कोशिश में किए गए संघर्ष को बखूबी बयान करती है. ये फिल्म 22 नवम्बर को पूरे देश में रिलीज होने जा रही है. हिन्दी के वरिष्ठ लेखक अमरीक सिंह दीप के उपन्यास तीर्थाटन के बाद पर आधारित फिल्म ढाई आखर हर्षिता नाम की एक ऐसी महिला की कहानी है, जो वर्षों तक घरेलू हिंसा और अपमानजनक वैवाहिक जीवन का शिकार रही. इसके बाद वो चिट्ठियों के जरिए से एक मशहूर लेखक श्रीधर के करीब आती है, लेकिन विधवा होने के कारण उसका ये प्रेम संबंध पुरुष प्रधान समाज और परिवार को स्वीकार नहीं होता.क्या हर्षिता इससे जुड़ी चुनौतियों का सामना कर पाएगी? श्रीधर के साथ उसके रिश्ते के प्रति परिवार की नफरत का अंत क्या होगा? क्या दोनों का प्यार परवान चढ़ेगा? इन सभी सवालों का भावनात्मक जवाब खोजने की कोशिश है फिल्म ढाई आखर..फिल्म के निर्देशक प्रवीन अरोड़ा ने इसको लेकर बात करते हुए कहा कि फिल्म ढाई आखर एक प्रेम गीत है. प्रेम किसी के जीवन को बदलने की ताकत रखता है. हिन्दी और मराठी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री मृणाल कुलकर्णी इस फिल्म में हर्षिता के लीड रोल में नजर आएंगी. जानेमाने अभिनेता हरीश खन्ना और प्रसिद्ध मराठी अभिनेता रोहित कोकाटे ने भी अहम किरदार निभाए हैं. लेखक असगर वजाहत ने इस फिल्म की पटकथा और संवाद लिखे हैं. वहीं फिल्म के एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर ब्रज मोहन हैं. फिल्म की शानदार टीम में गीतकार इरशाद कामिल, हिन्दी और बंगाली संगीत निर्देशक अनुपम रॉय और गायिका कविता सेठ शामिल हैं. बता दें कि इस फिल्म की शूटिंग उत्तराखंड की खूबसूरत लोकेशंस पर की गई है. कबीर कम्यूनिकेशन्स, आकृति प्रोडक्शंस और एस के जैन जमाई के बैनर तले बनी इस फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर, प्रतिष्ठित आईएफएफआई गोवा में पिछले सा हुआ, जिसमें इस फिल्म को दर्शकों, आलोचकों और फिल्म इंडस्ट्री की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली. चेन्नई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2023 और देहरादून इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2024 में भी इस फिल्म की आधिकारिक स्क्रीनिंग हो चुकी है. इसके अलावा कंबोडिया इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2024 में इस फिल्म को स्पेशल जूरी अवार्ड से सम्मानित

पीरियड्स के दौरान मीठा खाने की क्रेविंग प्रेग्नेंसी के लक्षण तो नहीं ? जानें क्या है पूरा सच

मिठाई और कार्बोहाइड्रेट की लालसा मासिक धर्म के दौरान आम है और वैज्ञानिक रूप से सिद्ध है कि यह हार्मोनल परिवर्तनों के कारण होता है. ओव्यूलेशन के बाद ल्यूटियल चरण के दौरान, एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन के उच्च स्तर मिठाई और कार्बोहाइड्रेट की लालसा पैदा कर सकते हैं. आपके पीरियड्स के दौरान मिठाई और कार्बोहाइड्रेट की लालसा पीएमएस का एक सामान्य हिस्सा है और यह जैविक और मनोवैज्ञानिक कारकों के संयोजन के कारण होता है.आपके मासिक धर्म चक्र के ल्यूटियल चरण के दौरान, एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन के उच्च स्तर मिठाई और कार्बोहाइड्रेट की लालसा को बढ़ा सकते हैं.जब आप मिठाई और स्टार्चयुक्त खाद्य पदार्थ खाते हैं तो आपका शरीर सेरोटोनिन छोड़ता है, जो आपके मूड को बढ़ा सकता है.मिठाई खाने से आपको पीएमएस के साथ आने वाली भावनाओं से निपटने में मदद मिल सकती है.हाइड्रेटेड रहेंहमेशा पानी पीते रहें. शरीर में पानी की कमी नहीं होनी चाहिए. क्योंकि पानी की कमी के कारण हार्मोनल चेंजेज हो सकते हैं. अपना ध्यान भटकाएंव्यायाम करें, टहलें, डीआईवाई गतिविधियाँ करें, दोस्तों और परिवार के साथ बातचीत करें, या गेम या पहेलियां खेलें.एक्टिव रहेंप्रतिदिन कम से कम 30 मिनट या प्रति सप्ताह 150 मिनट शारीरिक गतिविधि करने का प्रयास करें.आइसक्रीम कोन के बजाय, आप दही के कटोरे में प्राकृतिक रूप से मीठी स्ट्रॉबेरी मिला कर खा सकते हैं.डार्क चॉकलेट खाएं डार्क चॉकलेट आपकी मीठा खाने की इच्छा को संतुष्ट कर सकती है और इसमें पोटैशियम की मात्रा अधिक होती है, जो ऐंठन में मदद कर सकती है.यदि आप किसी भी लक्षण का अनुभव कर रहे हैं और इससे निपटने का सबसे अच्छा तरीका जानना चाहते हैं, तो आपको अपने डॉक्टर से बात करनी चाहिए. ऐसे प्रमाण मौजूद हैं जो बताते हैं कि जिन लोगों में ल्यूटियल चरण (मासिक धर्म चक्र के दौरान अण्डोत्सर्ग के बाद) के दौरान कुछ हार्मोनों का स्तर अधिक होता है, उनमें मिठाई खाने की अधिक संभावना होती है

स्काउट गाइड का किया गया शुभारंभ

सहजनवा गोरखपुर । बांसगांव संदेश ।भारत स्काउट गाइड उत्तर प्रदेश गोरखपुर के तत्वाधान में आयोजित सहजनवा तहसील के अंतर्गत श्रीमती रेशमा रावत कृषक इंटरमीडिएट कॉलेज भीटी रावत गोरखपुर में मुख्य अतिथि भानु प्रताप सिंह नायब तहसीलदार सहजनवा के द्वारा उद्घाटन सत्र प्रारंभ हुआ इस कार्यक्रम में मुरारी इंटरमीडिएट कॉलेज सहजनवा गोरखपुर के प्रधानाचार्य मेजर साकेत जी, भोलाराम मस्करा इंटरमीडिएट कॉलेज के प्रधानाचार्य मनोज सिंह, बाबा अमृत दास इंटर कॉलेज जोगिया पाली सहजनवा गोरखपुर के प्रधानाचार्य विनय सिंह तथा स्काउट ट्रेनर लीडर ओम प्रकाश उपाध्याय एवं रैली संचालक किरन देवी के साथ विभिन्न विद्यालयों के स्काउट गाइड प्रभारी मोहम्मद नूर आलम, सुधीर कुमार, गणेश्वर त्रिपाठी, राजकुमार सिंह, देवेन्द्र गौंड, तथा रेशमा रावत कृषक इंटरमीडिएट कॉलेज के समस्त अध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहेद्य इस कार्यक्रम के संयोजक विद्यालय के प्रधानाचार्य अश्वनी प्रताप सिंह ने आए हुए अतिथियों का आभार ज्ञापित किया

श्रीमद् भागवत कथा के लिए निकली कलश यात्रा

पिपरौली गोरखपुर । पिपरौली क्षेत्र के अमटौरा गांव में श्रीमद् भागवत कथा के लिए आज कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा पूरे गांव में विचरण की। जिसमें गाजे–बाजे के साथ सैकड़ों की संख्या में बच्चे, बुढे, महिलाएं और जवान हर्षोल्लास के साथ विचरण करके वापस कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे ।इसमें गाजे–बाजे के साथ संपूर्ण ग्रामवासी उपस्थित रहे । 21 नवंबर से श्रीमद् भागवत कथा का रसपान किया जाएगा तथा 29 नवंबर को भंडारेध्प्रीति भोज के साथ श्रीमद् भागवत कथा का समापन किया जाएगा। प्रतिदिन श्रद्धेय मानस जी द्वारा श्रीमद भागवत कथा का रसपान कराया जाएगा।इस अवसर पर केशरी सिंह, विमला सिंह, दुर्गेश कुमार सिंह, विमलेश कुमार सिंह, अखिलेश कुमार सिंह, रवि प्रताप सिंह, उग्रसेन सिंह, इंद्र देव सिंह, शिव शंकर सिंह, कैलाश नाथ सिंह, श्रीराम शर्मा उर्फ मोनू शर्मा, अशोक सम्राट सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

बखिरा झील में सारस पक्षी की संख्या में हो रही वृद्धि

घघसरा गोरखपुर । संत कबीर नगर जनपद में प्राकृतिक सुंदरता और जैव विविधता के लिए जाना जाता है। यहाँ स्थित बखिरा झील, जो पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, हाल के वर्षों में विभिन्न पक्षियों का घर बनी है। विशेष रूप से, बखिरा झील में सारस पक्षी की संख्या में वृद्धि एक स्वागतयोग्य घटना के रूप में सामने आई है, जो न केवल इस क्षेत्र की पारिस्थितिकी के लिए, बल्कि पर्यावरणीय संरक्षण और जैव विविधता के लिए भी महत्वपूर्ण है। बखिरा झील एक प्राकृतिक जलाशय है, जो संत कबीर नगर के बखिरा क्षेत्र में स्थित है। यह झील स्थानीय जीव–जंतुओं और पक्षियों के लिए महत्वपूर्ण आहार और आवास का स्रोत है। झील के आस–पास का क्षेत्रफल बड़े पैमाने पर दलदल और घास के मैदानों से घिरा हुआ है, जो वाणिज्यिक पक्षियों, विशेष रूप से सारस और अन्य जल पक्षियों के लिए उपयुक्त आवास प्रदान करता है। यहाँ की जलवायु, जल स्तर और पारिस्थितिकी की विशेषताएँ बखिरा झील को पक्षी संरक्षण के लिए आदर्श बनाती हैं। सारस एक बड़ा और प्रभावशाली पक्षी है, जो अपने लंबे पैरों और खूबसूरत पंखों के

लिए प्रसिद्ध है। यह पक्षी शीतकाल में भारत के विभिन्न हिस्सों में प्रवास करता है और बखिरा झील उसकी प्रमुख आवास स्थलों में से एक बन चुकी है। सारस पक्षी पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह पक्षी झीलों, दलदली क्षेत्रों और घास के मैदानों में कीट–पतंगों, छोटे जीवों और घासों को अपनी आहार सूची में रखते हैं, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित रखा जाता है।सारस पक्षी की उपस्थिति पर्यावरणीय स्वास्थ्य का संकेत मानी जाती है। इसके अलावा, सारस पर्यावरण संरक्षण के लिए एक प्रतीक के रूप में कार्य करते हैं, क्योंकि इनकी संख्या में गिरावट, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के नुकसान का संकेत हो सकती है। हाल के वर्षों में बखिरा झील में सारस पक्षियों की संख्या में वृद्धि कई कारकों के कारण हुई है। स्थानीय प्रशासन और पर्यावरणीय संगठनों द्वारा बखिरा झील और इसके आस–पास के क्षेत्रों में संरक्षण के लिए कई उपाय किए गए हैं। जल स्तर को नियंत्रित करने के लिए प्रयास किए गए हैं, जिससे पक्षियों को पर्याप्त जल और भोजन मिल सके। इसके अलावा, शिकार पर प्रतिबंध और पक्षियों के आवास क्षेत्रों को संरक्षित करने के उपायों ने सारस पक्षियों को आकर्षित किया है। बखिरा झील और इसके आसपास के दलदली क्षेत्र जो सारस के लिए आदर्श आवास प्रदान करते हैं, उनकी अच्छी स्थिति ने पक्षियों के लिए सुरक्षित रहने का स्थान उपलब्ध कराया है। यह झील पक्षियों के लिए जल, भोजन और प्रजनन स्थल का महत्वपूर्ण स्रोत है। भारत में सारस पक्षी शीतकालीन प्रवासी होते हैं, और सर्दी के महीनों में इनकी संख्या बढ़ जाती है। बखिरा झील में बढ़ी हुई जल आपूर्ति और अनुकूल जलवायु परिस्थितियों ने इसे एक प्रमुख प्रवास स्थल बना दिया है।सारस पक्षियों की संख्या में वृद्धि का पारिस्थितिकी तंत्र पर कई सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। सबसे पहले, सारस के बढ़ने से झील के पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। ये पक्षी खाद्य श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करते हैं और अन्य प्रजातियों के लिए भी एक संकेतक होते हैं कि पर्यावरण में कोई बड़ा बदलाव नहीं हो रहा है।

सभी बीएलओ मतदेयस्थल पर रहेंगे उपस्थित उपजिलाधिकारी गोला

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम प्रत्येक मतदेय स्थल पर 23 व 24 नवम्बर को होगा सम्पन्न

गोला गोरखपुर । गोला तहसील में कार्यरत सभी बी एल ओ को उपजिलाधिकारी गोला राजू कुमार द्वारा आदेशित किया गया कि 23 व 24 नवम्बर को मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्यक्रम में अपने अपने मतदेय स्थल पर उपस्थित रहेंगे।तहसील प्रशासन ने सभी सम्मानित जन प्रतिनिधि मतदाता से अपील किया कि उक्त दिनांक को अपने मतदान केंद्र पर पहुच कर मतदाता सूची का अवलोकन कर छुटे हुए नाम को मतदाता सूची में दर्ज कराने हेतु फार्म 6 भरें। मृतक शिफ्टेड डुप्लीकेट मतदाताओं का फार्म 7 भरकर उनका नाम निरस्त कराने के अतिरिक्त नाम मे सशोधन हेतु फार्म 8 भरकर इस अभियान को सफल बनावें।

0009

महाकुंभ–2025 के लिए प्रशासन ने जारी की सुरक्षा और स्वास्थ्य गाइडलाइन

देवरिया। प्रयागराज में 14 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक आयोजित होने वाले महाकुंभ–2025 के लिए श्रद्धालुओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने विशेष दिशा–निर्देश जारी किए हैं। मेला क्षेत्र में भारी भीड़ और सर्दी के कारण स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है।एडीएम (वित्त एवं राजस्व) अरुण कुमार राय ने बताया कि महाकुंभ में स्नान करने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को सर्दी से बचाव के लिए गर्म कपड़े और ऊनी वस्त्र लाने की सलाह दी गई है। इसके अलावा, यात्रा से पहले 60 वर्ष से ऊपर के लोग और बीमार व्यक्तियों को डॉक्टर से परामर्श करने और स्वास्थ्य जांच कराने की हिदायत दी गई है।मेला क्षेत्र में यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को पानी की कमी से बचने के लिए नियमित रूप से पानी या ओआरएस का सेवन करने की सलाह दी गई है। बच्चों, वृद्धजनों और गर्भवती महिलाओं को अकेले स्नान न करने और गहरे पानी में न जाने की हिदायत दी गई है। साथ ही, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा के मद्देनजर दूषित खाद्य पदार्थों से बचने की सलाह दी गई है। महाकुंभ के दौरान किसी भी आपात स्थिति में हेल्पलाइन नंबर 1920, पुलिस हेल्पलाइन 112 और आपदा हेल्पलाइन 1077 पर संपर्क किया जा सकता है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे इन दिशा–निर्देशों का पालन करके महाकुंभ को सुरक्षित और सफल बनाएं।

अवैध विज्ञापन हटाने के लिए नगर पालिका ने एक सप्ताह का अल्टीमेटम, नहीं हटाने पर कार्रवाई

देवरिया । नगर पालिका परिषद देवरिया के अधिशासी अधिकारी ने आदेश जारी कर सभी निजी भवन स्वामियों से अनुरोध किया है कि वे अपनी छतों पर लगे अवैध विज्ञापन, फ्रेम, होर्डिंग आदि को एक सप्ताह के भीतर हटा लें। यह निर्देश मुख्यमंत्री के आदेशों के पालन में दिया गया है। इसके अलावा, नगर में बिना अनुमति के लगाए गए यूनिपोल, होर्डिंग, साइन बोर्ड, पोल बोर्ड और बैनर को भी हटाने के लिए संबंधित एजेंसी, व्यक्ति या फर्म को एक सप्ताह का समय दिया गया है। निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य न किए जाने पर नगर पालिका परिषद द्वारा इन अवैध प्रचार सामग्री को जब्त कर लिया जाएगा और जुर्माना वसूलने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस कदम से शहर में अव्यवस्थित प्रचार सामग्री की सफाई की जाएगी, जिससे शहर की सुंदरता और सुरक्षा में वृद्धि होगी।

कुशहरी में 292 लाख रुपये से बनेगा सुव्यवस्थित घाट, विधायक ने किया भूमि पूजन

देवरिया । देवरिया जिले के कुशहरी में गंडक नदी के तट पर एक सुव्यवस्थित घाट का निर्माण 292.55 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। इस परियोजना का भूमि पूजन और शिलान्यास बुधवार को क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र चौरसिया द्वारा किया गया। विधायक सुरेंद्र चौरसिया ने इस मौके पर कहा कि यह घाट भविष्य में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा, जिससे स्थानीय लोगों को पर्यटन और धार्मिक दृष्टिकोण से लाभ होगा। उन्होंने बताया कि पहले से क्षेत्र में कई विकास कार्य किए गए हैं, और यह घाट भी इसी क्रम का हिस्सा है। सभा को संबोधित करने वालों में वरिष्ठ नेता कृपा शंकर उपाध्याय, विशंभर मिश्र, सुनील मद्धेशिया, और जिला पंचायत सदस्य उपेंद्र त्रिपाठी शामिल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष नागेश पति त्रिपाठी ने की, जबकि संचालन गुड्डू गुप्ता ने किया। इस दौरान रामनिवास पांडेय, मनोज मिश्रा, धर्मेंद्र सिंह, जिला पंचायत प्रतिनिधि विजय गौंड, रमेश यादव, विजय कुमार पांडे, रामदेव यादव, जिला पंचायत सदस्य उपेंद्र त्रिपाठी और अन्य प्रमुख लोग भी उपस्थित रहे।

नशा मुक्ति पर निबंध प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

आस पास के गांवों में निकला गया जागरूकता अभियान

बनकटा देवरिया । क्षेत्र के रतसिया स्थित प्रभावती देवी रामपति देवी बालिका इंटर कॉलेज में गुरुवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेविकाओं

के द्वारा नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत आस पास के गांवों में जागरूकता अभियान निकालकर लोगों जागरूक करने के साथ शपथ दिलाया गया तथा धूम्रपान से होने वाले हानियों को विस्तार पूर्वक बताया गया। इस अवसर पर विद्यालय के द्वारा निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस मौके पर सुरेश प्रसाद, मिंटू यादव,अमितेश सिंह, अंकुश सिंह, अभिषेक सिंह, विमला सिंह, चंदा तिवारी, प्रेषिता सिंह सहित विद्यालय के सभी छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

बाऊंपार में हुआ स्मार्ट क्लास का शुभारंभ

गगहा गोरखपुर। वर्तमान युग आधुनिक शिक्षा का युग है। इसी महत्व को समझते हुए जिले के विकासखण्ड गगहा के प्राथमिक विद्यालय बाऊंपार (ढरसी संकुल) में प्रभारी प्रधानाध्यापक महोदय मनोज वर्मा एवं विद्यालय के अन्य सहायक अध्यापकगण के सहयोग से स्थापित स्मार्ट क्लास का शुभारम्भ खंड शिक्षाधिकारी डॉ प्रदीप शर्मा ने किया। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा

कि स्मार्ट टीवी के सदुपयोग से विद्यालय में भविष्य में बच्चों की पढ़ाई हाईटेक तरीके से शुरू हो जाएगी। प्राथमिक शिक्षक संघ के गगहा ब्लाक अध्यक्ष डॉ सुमन्त सिंह द्वारा ढरसी संकुल के किसी विद्यालय में प्रथम बार स्मार्ट टीवी लगने पर समस्त विद्यालय परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साथ ही संकुल के अन्य विद्यालयों को भी इससे प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। ब्लॉक मंत्री हामिद अली जी ने इस अवसर पर सभी शिक्षकगण को सामूहिक सहयोग से विद्यालय में पठन–पाठन को सुचारू रूप से बनाए रखने की अपील की। जिससे सरकारी विद्यालयों में शैक्षणिक वातावरण सकारात्मक बना रहे। अन्त में विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक मनोज वर्मा ने कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी अध्यापकगण का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एआरपी गौरव श्रीवास्तव एवं संदीप नायक, सत्येंद्र बहादुर सिंह, डॉ० निखिलेश वर्मा, विश्वरंजन द्विवेदी, धनकली देवी, रामसनेही प्रजापति, उपेंद्र भारती, अभिनय सिंह, सुनील यादव, विजय मिश्रा, राजकुमार सिंह, जितेंद्र यादव, सुधाकर राय, अमित सिंह आदि उपस्थित रहे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अमेरिकी समकक्ष से मिले, जेट इंजन पर बढ़ेगी बात

एजेंसी।

नई दिल्ली रक्षा मंत्रालय ने न्यू में जारी एक बयान में कहा कि दोनों पक्षों ने अमेरिका–भारत रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप के तहत की गई उल्लेखनीय प्रगति को मान्यता दी, जिसमें जेट इंजन, युद्ध सामग्री और ग्राउंड मोबिलिटी सिस्टम के लिए प्राथमिकता वाले सह–उत्पादन व्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए चल रहा सहयोग शामिल है।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके अमेरिकी समकक्ष लॉयड जे ऑस्टिन ने लाओस के वियनतियाने में मुलाकात की और परिचालन समन्वय, सूचना–साझाकरण और औद्योगिक सहयोग और नवाचार में वृद्धि पर जोर देते हुए भारत–अमेरिका रक्षा साझेदारी में प्रभावशाली प्रगति की सराहना की। रक्षा मंत्रालय ने न्यू में जारी एक बयान में कहा कि दोनों पक्षों ने अमेरिका–भारत रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप के तहत की गई उल्लेखनीय प्रगति को मान्यता दी, जिसमें जेट इंजन, युद्ध सामग्री और ग्राउंड मोबिलिटी सिस्टम के लिए प्राथमिकता वाले सह–उत्पादन व्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए चल रहा सहयोग शामिल है। सिंह और ऑस्टिन ने 11वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीएमएम)–प्लस से इतर बातचीत की। पिछले साल अपनाया गया रोडमैप, हवाई युद्ध और भूमि गतिशीलता प्रणाली, खुफिया, निगरानी और टोही,

युद्ध सामग्री और पानी के नीचे के क्षेत्र सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तेजी से प्रौद्योगिकी सहयोग और सह–उत्पादन करना चाहता है। दोनों नेताओं ने आखिरी बार अगस्त में अमेरिका में मुलाकात की थी और द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने के लिए व्यापक बातचीत की थी। इस बातचीत में रक्षा सहयोग, औद्योगिक सहयोग, क्षेत्रीय सुरक्षा, भारत–प्रशांत क्षेत्र और अन्य मुद्दों पर प्रकाश डाला गया था। भारत और अमेरिका ने तब रक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए अप्रत्याशित आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों को हल करने के लिए रक्षा वस्तुओं और सेवाओं की पारस्परिक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आपूर्ति व्यवस्था की सुरक्षा (एसओएसए) आपसी हित के मामलों पर सहयोग, समझ, अंतरसंचालनीयता और जानकारी साझा करने को बढ़ाने के लिए संपर्क अधिकारियों की नियुक्ति से संबंधित दो प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे।

फ्रांसीसी नागरिको ने बच्चों के साथ साझा किए अनुभव

चित्रकूट(आरएनएस)। रामनगर के ग्राम पंचायत उफरौली के प्राथमिक विद्यालय में नन्हे मुन्ने बच्चों के बीच फ्रांस के जीन बापिस्टे एवं एन्नी मेरी ने अनुभव साझा किया। इस अवसर पर बच्चों ने उनका माला पहनाकर स्वागत किया। उनके साथ मिलकर कई शैक्षणिक गतिविधियों की। विद्यालय के प्रधानध्यापक राजू यादव ने बताया कि विद्यालय के बच्चों की शिक्षा के प्रति लगन एवं उनकी मेहनत को देखते हुए शैक्षणिक गतिविधियां कराई जाती है। खण्ड शिक्षा अधिकारी एनपी सिंह लगातार उत्साह बढ़ाते हैं। विद्यालय दूरदराज ग्रामीण क्षेत्र में स्थित होने के बावजूद बच्चों को नवोदय, विद्याज्ञान एवं सैनिक स्कूल परीक्षा की तैयारी कराई जाती है। आईसीटी का प्रयोग कर सभी बच्चों को देश दुनिया की जानकारी शिक्षक प्रदान कर रहे हैं। इस मौके पर दोनो विदेशी मेहमानों ने बच्चों को स्मार्ट टीवी उपहार के रूप मैं दिया।

डीएम ने संतुष्टि समाधान दिवस में सुनी फरियाद

चित्रकूट(आरएनएस)। संतुष्टि समाधान दिवस पर डीएम ने फरियादियों की समस्या कलक्ट्रेट सभागार में सुनी। समस्याओं के निस्तारण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को मोबाइल से बात कर निर्देश दिए। गुरुवार को डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने समस्याएं सुनी। जिसमें जमीनी विवाद के साथ अन्य समस्या की शिकायत ग्रामीणों ने की। डीएम ने जमीन से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम से निराकरण कराने के लिए अधिकारियों से कहा। कहा कि जो भी जनसुनवाई के दौरान समस्या आ रही हो उसका समय से निस्तरण करें। इस मौके पर एडीएम न्यायिक राजेश प्रसाद, एसडीएम मोहम्मद जसीम, आलोक सिंह आदि मौजूद रहे।

श्रीराम की खड़ाऊ सिर पर रख रवाना हुई भरत यात्रा

चित्रकूट(आरएनएस)। अयोध्या से चित्रकूट आयी 52वीं श्रीभरत यात्रा का समापन हो गया। परिक्रमा मार्ग पर भरत मिलन की लीला के बाद गुरुवार को श्रीराम के न मानने पर भरत भगवान श्रीराम की खड़ाऊं सिर पर रखकर रवाना हो गए। अयोध्या से अगहन मास की कृष्णा द्वितीया तिथि रविवार को यात्रा माणिराम दास छावनी के महंत कमल नयन दास महाराज के नेतृत्व में रवाना होने के बाद मंगलवार की शाम धर्मनगरी चित्रकूट पहुंची थी।

दुकान में मिला युवक का शव, हत्या की आशंका –पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ा

चित्रकूट(आरएनएस)। भरतकूप थाना क्षेत्र के कोल्हुआ गांव की दुकान से शराब पिलाने ले गये दो दोस्तों ने दुकानदार की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद उसी की दुकान में शव फेंककर भाग निकले। घर न पहुंचने पर दुकान पहुंचे परिजनों ने उसे देखा तो मामले की जानकारी हुई। कोल्हुआ गांव निवासी ओमप्रकाश रैकवार ने बताया कि उसका भाई किशोरीलाल रैकवार (34) दिल्ली में मजदूरी करता था। कुछ दिन पूर्व यहां लौटने के बाद गांव के बाहर ही चाट व पान मसाला की दुकान झोपड़ी में चलाता था।

यूपी जिला अधिकारी गोला ने सामूहिक विवाह स्थल का किया निरीक्षण

पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह के जन्म दिन के अवसर पर 108 जोड़ों का होगा सामूहिक विवाह

गोला गोरखपुर । गोला क्षेत्र के मां समय डरारी मंदिर पर आयोजित होने वाले सामुहिक विवाह के कार्यक्रम स्थल पर पंहुचे उपजिलाधिकारी गोला राजू कुमार ने व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के साथ विशेष दिशा निर्देश दिए।सामूहिक विवाह स्थल पर पंहुचे उपजिलाधिकारी गोला ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं साज सज्जा और साफ सफाई का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी गोला ने कहा कि कार्यक्रम में खाने की गुणवत्ता और साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। कार्यक्रम के दौरान भोजन समय से प्रारंभ कराया जाए। पीने के पानी के टैंकर और वाहन खड़े कराने की समुचित व्यवस्था करना भी जरूरी है। आगे बताया कि प्रशासन की ओर से भी पूरी मदद की जाएगी। वही निरीक्षण के दौरान मौजूद थानाध्यक्ष वेद प्रकाश शर्मा ने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर पुलिस की व्यवस्था रहेगी। आयोजक दुर्गेश मदन यादव ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व रक्षा मंत्री स्व मुलायम सिंह यादव के जन्म दिन पर 22 नवंबर शुक्रवार को 108 कन्याओं का सामूहिक विवाह का आयोजन होना है। हिन्दू रीति रिवाज के साथ सभी जोड़ों की शादी सम्पन्न करायी जाएगी। जिसकी पूरी तैयारी कर ली गयी है।इस दौरान पूर्व जिला अध्यक्ष सपा अवधेश यादव दुर्गा प्रसाद यादव रमाशंकर यादव राणा सत्यप्रकाश सिंह जेलर शाही सहित आदि लोग मौजूद रहे।

भारी वाहनों को रोक मार्ग दुरूस्त करने के लिए सौंपा ज्ञापन

गोला गोरखपुर । गोला क्षेत्र के गोपालपुर बारानगर मार्ग क्षमता से अधिक भारी वाहनों के चलने के कारण बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। मार्ग पर सिर्फ गड्ढों व धूल का अंबार दिखाई पड़ा रहा है। जिसके कारण मार्ग पर छोटे वाहनों का चलना बहुत ही कठिन हो गया है।गुरुवार को उपरोक्त मार्ग के संबंध में तीरागांव के ग्राम प्रधान सूरज के नेतृत्व में मन्नीपुर सहडौली कौड़िया व तीरागांव के ग्रामीण कृष्ण मोहन राय राजनाथ राय जय प्रकाश राय विपिन राय राम प्रताप राय रामाश्रय यादव लालधर यादव आदि ने

उपजिलाधिकारी गोला राजू कुमार को ज्ञापन सौंपकर मांग किया कि गोपालपुर बारानगर मार्ग क्षतिग्रस्त हो चुका है। जिसका मुख्य कारण मार्ग पर क्षमता से अधिक भारी वाहनों का चलना है। मार्ग पर छोटे वाहन बाईक आदि का आवागमन कठिन हो गया है। मार्ग को सही कराने के लिए पहले भी शिकायत किया जा चुका है। लेकिन लम्बे समय के बाद भी मार्ग सही नहीं हो सका है। मार्ग पर तुरंत ही भारी वाहनों के आवागमन को रोकने के साथ उसको सही कराने का कार्य करना अति आवश्यक है।

डा. सुनील कुमार मिश्रा ने प्रमुख सचिव आबकारी एवं आयुक्त आबकारी को अपनी पुस्तक भेट किया

सहजनवां गोरखपुर । डॉ सुनील कुमार मिश्रा ने रिवेलुएशनरी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जर्नी पर स्वयं की रचित पुस्तक की एक प्रति प्रमुख सचिव गन्ना एवं आबकारी वीना कुमारी मीना (आईएएस)को भेंट किया और एक प्रति आबकारी आयुक्त आदर्श सिंह (आईएएस) को भेट किया । प्रमुख सचिव गन्ना एवं आबकारी वीना कुमारी मीना (आईएएस)ने एक प्रति पर अपना हस्ताक्षर कर अपना आशिर्वाद प्रदान किया वही आबकारी आयुक्त ने बुक की प्रशंसा किया और कहा की इस पुस्तक से देश विदेश के लोगो को प्रदेश के बारे में जानकारी मिलेगी । पुस्तक पर प्रकाश डालते हुए डॉ

सुनील कुमार मिश्रा ने बताया की उत्तर प्रदेश सरकार के राजस्व वृद्धि प्रमुखता से पुस्तक में समाहित किया है, तथा आबकारी राजस्व को भी समाहित किया गया है। इसके साथ ही नई औद्योगिक इकाइयों के निर्माण, ओडीओपी,सिंगल विंडो व्यापार सिस्टम, भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश, अपराध नियंत्रण, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, जीव जंतु संरक्षण, महिला सुरक्षा, पिंक बूथ, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना, किसानों की आय में वृद्धि, टार्सपोर्ट, इत्यादि क्षेत्रों में हुए कार्यों को भी विस्तार से वर्णित किया गया है। डॉ सुनील कुमार मिश्रा ने प्रमुख सचिव गन्ना एवं आबकारी, के प्रति आभार जताया और कहा की निसंदेह प्रमुख सचिव एवं आयुक्त आदर्श सिंह (आईएएस) के नेतृत्व में आबकारी विभाग नया इतिहास बनाएगा और सभी मानकों पर खरा उतरते हुए सभी लक्ष्यों को प्राप्त करेगा। इसके साथ ही डॉ सुनील कुमार मिश्रा ने आबकारी आयुक्त के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित किया।

ओपीडी योजना के तहत देवरिया में स्थापित होंगे सामान्य सुविधा केंद्र, 30 नवंबर तक जमा करें अभिरुचि ज्ञापन

देवरिया। उत्तर प्रदेश सरकार की एक जनपद, एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के तहत सामान्य सुविधा केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य देवरिया जिले के चिन्हित ओडीओपी उत्पादों की तकनीकी जरूरतों को पूरा करना है, जिसके तहत रॉ मैटेरियल बैंक, टेस्टिंग लैब, डिस्प्ले सेंटर, डिजाइन डेवलपमेंट सेंटर, और ट्रेनिंग सेंटर जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। उपायुक्त उद्योग सतीश कुमार ने बताया कि इस योजना के लिए इच्छुक सेक्शन–8 कंपनियों और सोसाइटियों से अभिरुचि ज्ञापन (म्ब) आमंत्रित किए गए हैं जो 30 नवंबर 2024 तक जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र, देवरिया में जमा कर सकते हैं। इस योजना से संबंधित जानकारी मंडलीय सलाहकार उधय नारायण मिश्रा या ओडीओपी की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

फैंस के लिए खुशखबरी! पर्थ टेस्ट के दौरान टीम इंडिया से जुड़ेंगे रोहित शर्मा

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के तहत 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी। लेकिन उससे पहले टीम इंडिया के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। दरअसल, टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा पर्थ टेस्ट के दौरान टीम इंडिया से जुड़ सकते हैं। जिसके बाद वो दूसरे टेस्ट में उपलब्ध रहेंगे।शुक्रवार से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के तहत 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी। लेकिन उससे पहले टीम इंडिया के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। दरअसल, टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा पर्थ टेस्ट के दौरान टीम इंडिया से जुड़ सकते हैं। जिसके बाद वो दूसरे टेस्ट में उपलब्ध रहेंगे। बता दें कि, क्रिकबज की खबर के मुताबिक रोहित के 24 नवंबर को पर्थ में भारतीय टीम से जुड़ने की संभावना है। उस समय भारतीय टीम संभवतरू तीसरे दिन के खेल में हिस्सा ले रही होगी। वहीं रिपोर्ट के अनुसार, रोहित ने बीसीसीआई को इस बारे में सूचित किया है। रोहित शर्मा दूसरी बार पिता बने हैं, जिसके चलते वह अपने परिवार के साथ समय बिता रहे हैं। वहीं उनकी जगह जसप्रीत बुमराह टीम की कमान संभालेंगे। बुमराह ने सीरीज के शुरू होने से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी, जहां उन्होंने कहा था कि मैंने पहले रोहित से बात की थी। लेकिन यहां आने के बाद मुझे टीम की अगुवाई करने के बारे में थोड़ी स्पष्टता मिली।

ब्रेंडन मैकुलम के वर्ल्ड रिकार्ड पर यशस्वी जायसवाल की नजरें, कर सकते हैं ये कारनामा

22 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा। इस मैच में भारत के नियमित कप्तान रोहित शर्मा निजी कारणों की वजह से मौजूद नहीं होंगे, जबकि जसप्रीत बुमराह टीम की कमान संभालेंगे। इस दौरे पर सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के प्रदर्शन पर भी सबकी नजरें रहेंगी, जोकि रोहित शर्मा के जोड़ीदार भी हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में यशस्वी जायसवाल का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। शुक्रवार यानी 22 नवंबर का दिन भारत और ऑस्ट्रेलिया के लिए बेहद अहम है। बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी का आगाज इसी दिन से होगा जहां पर्थ में दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट खेला जाएगा। वहीं भारत के नियमित कप्तान रोहित शर्मा निजी कारणों की वजह से मौजूद नहीं होंगे, जबकि जसप्रीत बुमराह टीम की कमान संभालेंगे। इस दौरे पर सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के प्रदर्शन पर भी सबकी नजरें रहेंगी, जोकि रोहित शर्मा के जोड़ीदार भी हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में यशस्वी जायसवाल का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। उन्होंने अन्य बल्लेबाजों की तुलना में रन तो बनाए लेकिन उसे बड़े स्कोर में नहीं बदल सके। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में उनके पास एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने का मौका होगा। यशस्वी जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर की शानदार शुरूआत की। उन्होंने 14 टेस्ट में 1407 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने तीन शतक लगाए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में 700 से ज्यादा रन बनाए। हालांकि, उसके बाद उनके बल्लेबाज से ज्यादा रन नहीं निकले हैं। ऑस्ट्रेलिया सीरीज उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण होने वाली है और उनके करियर को भी नई उड़ान दे सकता है। यशस्वी जायसवाल मैच के दौरान बड़े शॉट खेलने के लिए जाने जाते हैं और जब तक क्रीज पर रहते हैं छक्के और चौके लगाने से नहीं चूकते। उन्होंने इस साल 32 छक्के लगाए हैं। अगर वह पर्थ टेस्ट में दो और छक्के लगाते हैं तो वह ब्रेंडन मैकुलम के एक कैलेंडर ईयर में सर्वाधिक छक्के लगाने के रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। मैकुलमन ने 2014 में 33 छक्के लगाए हैं। यशस्वी जायसवाल 2024 में जो रूट के बाद एक हजार टेस्ट रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। रूट ने 1338 रन बनाए हैं, जबकि जायसवाल के नाम 1119 रन है। अगर वह 219 रन और बना लेते हैं तो वह इस साल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे।

एडीलेड टेस्ट में रोहित की वापसी से भारतीय खेमे में व्यवधान की संभावना

रिकी पोंटिंग ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में मेजबान टीम की 3 . 1 से जीत की अपनी भविष्यवाणी को दोहराते हुए कहा कि एडीलेड टेस्ट में कप्तान रोहित शर्मा की भारतीय टीम में वापसी से व्यवधान की संभावना है। रोहित पिता बनने के कारण पहले टेस्ट से बाहर है जिसमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह कप्तानी करेंगे।पर्थ । आस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज रिकी पोंटिंग ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में मेजबान टीम की 3 . 1 से जीत की अपनी भविष्यवाणी को दोहराते हुए कहा कि एडीलेड टेस्ट में कप्तान रोहित शर्मा की भारतीय टीम में वापसी से व्यवधान की संभावना है। रोहित पिता बनने के कारण पहले टेस्ट से बाहर है जिसमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह कप्तानी करेंगे। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा ,'' मेरा मानना है कि उनके अभियान में और व्यवधान की संभावना है जब रोहित शर्मा दूसरे टेस्ट से लौटेगा। मैं अभी भी कहता हूं कि आस्ट्रेलिया 3 . 1 से जीतेगा।

2024–25 ये दिग्गज होंगे इंडिया वर्सेस आस्ट्रेलिया सीरीज में कमेंटेटर, हिन्दी पैनल में कई नाम कर सकते हैं आपको हैरान

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज शुक्रवार 22 नवंबर से हो रहा है। वहीं इस सीरीज पर पूनिया दुनिया की नजरें हैं, साथ ही कई फैंस को विराट कोहली से काफी उम्मीदे हैं। हालांकि, इससे पहले सीरीज में कमेंटेटर के नाम की लिस्ट सामने आ गई है। बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी 2024 के लिए क्रिकेट जगत में रोमांच दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज शुक्रवार 22 नवंबर से हो रहा है। वहीं इस सीरीज पर पूनिया दुनिया की नजरें हैं, साथ ही कई फैंस को विराट कोहली से काफी उम्मीदे हैं। हालांकि, इससे पहले सीरीज में कमेंटेटर के नाम की लिस्ट सामने आ गई है। वहीं पहला टेस्ट 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा, जिसके लिए अंग्रेजी कमेंट्री का भार मैथ्यू हेडन, रवि शास्त्री, सुनील गावस्कर, वसीम अकरम, मुरली विजय, रसेल ऑर्नोल्ड और मार्क निकोलस को चुना गया है। वहीं हिन्दी कमेंट्री कि जिम्मेदारी रवि शास्त्री, वसीम अकरम, चेतेश्वर पुजारा, सुनील गावस्कर, संजय मांजरेकर, जतिन सप्रू और दीप दास गुप्ता को सौंपी गई है।

अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने नेतन्याहू और हमास अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया

आईसीसी ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, पूर्व रक्षा मंत्री और हमास के अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इसमें उन पर गाजा में युद्ध और अक्टूबर 2023 के हमलों को लेकर युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराध का आरोप लगाया गया है। संघर्ष में हमास के कई अधिकारी मारे गए हैं।हेग । अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, पूर्व रक्षा मंत्री और हमास के अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इसमें उन पर गाजा में युद्ध और अक्टूबर 2023 के हमलों को लेकर युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराध का आरोप लगाया गया है। अक्टूबर 2023 में इजराइल पर हमले के बाद फलस्तीनी क्षेत्र में इजराइल का हमला शुरू हुआ। संघर्ष में हमास के कई अधिकारी मारे गए हैं।आईसीसी के इस निर्णय से नेतन्याहू और अन्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वांछित संदिग्ध बन गए हैं तथा इससे उनके अलग–थलग पड़ने एवं 13 महीने से जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए संघर्ष विराम पर बातचीत करने के प्रयासों में जटिलता आने की आशंका है। हालांकि, इसके व्यावहारिक प्रभाव सीमित हो सकते हैं क्योंकि इजराइल और उसका प्रमुख सहयोगी अमेरिका, आईसीसी के सदस्य नहीं हैं। नेतन्याहू और अन्य इजराइली नेताओं ने आईसीसी के मुख्य अभियोजक करीम खान के वारंट के अनुरोध की निंदा करते हुए इसे अपमानजनक और यहूदी विरोधी बताया है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी अभियोजक की निंदा की और हमास के खिलाफ खुद का बचाव करने के इजराइल के अधिकार का समर्थन किया।

बेंजामिन नेतन्याहू होंगे गिरफ्तार ? इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट ने जारी किया वारंट

चौंबर ने 26 सितंबर 2024 को इजराइल द्वारा प्रस्तुत दो अनुरोधों पर फैसला सुनाया। इजराइल ने सामान्य रूप से फिलिस्तीन राज्य की स्थिति पर, और विशेष रूप से इजराइली नागरिकों पर, अनुच्छेद 19 के आधार पर न्यायालय के अधिकार क्षेत्र को चुनौती दी। मध्य–पूर्व में चल रहे संघर्ष के बीच अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व इजरायली रक्षा मंत्री योव गैलेंट के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है।

चौंबर ने 8 अक्टूबर, 2023 से 20 मई, 2024 तक मानवता के खिलाफ अपराधों और युद्ध अपराधों पर नेतन्याहू और गैलेंट के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया, जिस दिन अभियोजन पक्ष ने गिरफ्तारी वारंट के लिए आवेदन दायर किया था।चौंबर ने 26 सितंबर 2024 को इजराइल द्वारा प्रस्तुत दो अनुरोधों पर फैसला सुनाया। इजराइल ने सामान्य रूप से फिलिस्तीन राज्य की स्थिति पर, और विशेष रूप से इजराइली नागरिकों पर, अनुच्छेद 19 के आधार पर न्यायालय के अधिकार क्षेत्र को चुनौती दी। दूसरे अनुरोध में इजराइल ने अनुरोध किया कि चौंबर अभियोजन पक्ष को कानून के अनुच्छेद 18(1) के तहत अपने अधिकारियों को जांच शुरू करने की एक नई अधिसूचना प्रदान करने का आदेश दे। इजराइल ने चौंबर से प्रासंगिक स्थिति में अदालत के समक्ष किसी भी कार्यवाही को रोकने का भी अनुरोध किया, जिसमें 20 मई 2024 को अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत श्री बेंजामिन नेतन्याहू और श्री योव गैलेंट के गिरफ्तारी वारंट के आवेदन पर विचार भी शामिल है। पहली चुनौती के रूप में चौंबर ने नोट किया कि इजराइल द्वारा न्यायालय के अधिकार क्षेत्र की स्वीकृति की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि न्यायालय फिलिस्तीन के क्षेत्रीय क्षेत्राधिकार के आधार पर अपने क्षेत्राधिकार का प्रयोग कर सकता है, जैसा कि पिछली संरचना में प्री–ट्रायल चौंबर द्वारा निर्धारित किया गया था। . इसके अलावा, चौंबर ने माना कि कघनून के अनुच्छेद 19(1) के अनुसार, राज्य गिरफ्तारी वारंट जारी करने से पहले अनुच्छेद 19(2) के तहत न्यायालय के क्षेत्राधिकार को चुनौती देने के हकदार नहीं हैं। इस प्रकार इजराइल की चुनौती समय से पहले है। यह न्यायालय के अधिकार क्षेत्र औरध या किसी विशेष मामले की स्वीकार्यता के लिए भविष्य में संभावित चुनौतियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना है।

जेल से रिहा होते ही फिर दूसरे मामले में गिरफ्तार इमरान खान, 474 दिन से जेल में बंद हैं पूर्व पीएम

आरोपों में आतंकवाद विरोधी अधिनियम का उल्लंघन, सार्वजनिक समारोहों पर सरकारी प्रतिबंध की अवहेलना, पुलिस ड्यूटी में बाधा डालना, पुलिस वाहनों को नुकसान पहुंचाना और सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालना शामिल है। मामले में औपचारिक गिरफ्तारी से पहले ही, संघीय सूचना मंत्री अट्टा तरार ने यह कहकर उनकी रिहाई के विचार को खारिज कर दिया कि खान 9 मई, 2023 की हिंसा से संबंधित आठ मामलों में वांछित थे और उन्हें जेल से मुक्त होने से पहले जमानत लेनी चाहिए।जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई की संभावनाएं तब खत्म हो गईं जब उन्हें कथित भ्रष्टाचार के एक मामले में जमानत मिलने के कुछ घंटों बाद एक विरोध प्रदर्शन मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) ने बुधवार को उन्हें महंगे बुल्गारी आभूषण सेट की बेहद कम कीमत पर खरीद से संबंधित दूसरे तोशाखाना मामले में जमानत दे दी, जिससे उनकी रिहाई की उम्मीदें जग गईं। हालांकि, कुछ घंटों बाद रावलपिंडी पुलिस ने आतंकवाद और अन्य आरोपों पर न्यू टाउन पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में देर रात उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोप लगाया कि रावलपिंडी की अदियाला जेल में कैद रहने के दौरान खान ने 28 सितंबर को रावलपिंडी में विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। डॉन अखबार ने एक पुलिस प्रवक्ता के हवाले से कहा कि खान को 28 सितंबर को दर्ज मामले में हिरासत में लिया गया है और एक टीम बनाई गई है। आरोपों की जांच का जिम्मा सौंपा गया।आरोपों में आतंकवाद विरोधी अधिनियम का उल्लंघन, सार्वजनिक समारोहों पर सरकारी प्रतिबंध की अवहेलना, पुलिस ड्यूटी में बाधा डालना, पुलिस वाहनों को नुकसान पहुंचाना और सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालना शामिल है। मामले में औपचारिक गिरफ्तारी से पहले ही, संघीय सूचना मंत्री अट्टा तरार ने यह कहकर उनकी रिहाई के विचार को खारिज कर दिया कि खान 9 मई, 2023 की हिंसा से संबंधित आठ मामलों में वांछित थे और उन्हें जेल से मुक्त होने से पहले जमानत लेनी चाहिए। डॉन ने बताया कि खान को रिहा होने से पहले लाहौर, रावलपिंडी और इस्लामाबाद में दर्ज लगभग दो दर्जन अन्य मामलों में जमानत लेने की जरूरत है।

पलमीरा पर इजराइल के हमले में 36 लोग मारे गए सीरियाई मीडिया

समाचार एजेंसी 'सना' ने कहा कि हमलों से इमारतों और आस–पास के क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंचा है। पलमीरा अपने आसपास के ऐतिहासिक रोमन मंदिर परिसर के लिए जाना जाता है। सीरिया के ऐतिहासिक शहर पलमीरा पर बुधवार को हुए हमले में 36 लोग मारे गए और 50 से अधिक लोग घायल हो गए। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। दमिश्क ने इस हमले के लिए इजराइल को जिम्मेदार ठहराया है, जबकि इजराइली सेना ने इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है। 'सना' ने कहा कि हमलों से इमारतों और आस–पास के क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंचा है। पलमीरा अपने आसपास के ऐतिहासिक रोमन मंदिर परिसर के लिए जाना जाता है।

एक पेड़ मां के नाम... पीएम मोदी ने जार्जटाउन में किया पौधारोपण

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह अधिनियम केवल पर्यावरणवाद के बारे में नहीं था, बल्कि प्रकृति और मातृत्व के सम्मान के साझा मूल्यों के माध्यम से राष्ट्रों के बीच संबंध को बढ़ावा देने के बारे में भी था। बाद में एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा कि स्थिरता के लिए एक साझा प्रतिबद्धता! एक बहुत ही विशेष संकेत में, गुयाना के राष्ट्रपति और मेरे दोस्त, डॉ. इरफान अली ने श्एक पेड़ मां के नामश में हिस्सा लिया। अपनी दादी और सास के साथ एक पौधा लगाया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की श्एक पेड़ मां के नामश पहल बुधवार को वैश्विक हो गई। पीएम मोदी और गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली ने जॉर्जटाउन में एक पौधा लगाया, जो पर्यावरण चेतना अभियान को वैश्विक रूप से अपनाने का प्रतीक है, जिसमें इस साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर लॉन्च होने के बाद से देश भर में बड़े पैमाने पर भागीदारी देखी गई थी। इस पहल ने लोगों को अपनी माताओं को श्रद्धांजलि के रूप में एक पौधा लगाने के लिए प्रोत्साहित किया, जिसमें पर्यावरण देखभाल के विषयों को मातृ प्रेम के सार्वभौमिक बंधन के साथ जोड़ा गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह अधिनियम केवल पर्यावरणवाद के बारे में नहीं था, बल्कि प्रकृति और मातृत्व के सम्मान के साझा मूल्यों के माध्यम से राष्ट्रों के बीच संबंध को बढ़ावा देने के बारे में भी था। बाद में एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा कि स्थिरता के लिए एक साझा प्रतिबद्धता! एक बहुत ही विशेष संकेत में, गुयाना के राष्ट्रपति और मेरे दोस्त, डॉ. इरफान अली ने श्एक पेड़ मां के नामश में हिस्सा लिया। अपनी दादी और सास के साथ एक पौधा लगाया। राष्ट्रपति अली ने प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा करते हुए उन्हें उनके प्रभावशाली नेतृत्व और विकासशील विश्व में योगदान देने वाला अग्रणी नेता बताया। मोदी के साथ संयुक्त प्रेस वक्तव्य के दौरान अली ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। आपका यहां आना हमारे लिए बहुत सम्मान की बात है। आप नेताओं में अग्रणी हैं। आपने अविश्वसनीय रूप से नेतृत्व किया है।'' उन्होंने मोदी की शासन शैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि गुयाना और अन्य देशों के लिए यह काफी मायने रखता है।

खैबर पख्तूनख्वा में बड़ा आतंकी अटैक, यात्री वैन पर हमले में 38 लोगों की मौत

किसी भी समूह ने घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है। पाराचिनार के एक स्थानीय निवासी जियारत हुसैन ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को टेलीफोन पर बताया। यात्री वाहनों के दो काफिले थे, एक पेशावर से पाराचिनार और दूसरा पाराचिनार से पेशावर जा रहा था, तभी हथियारबंद लोगों ने उन पर गोलियां चला दीं। काफिले में रिश्तेदार पेशावर से जा रहे थे। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने एक बयान में यात्री वाहनों पर हमले की कड़ी निंदा की।खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्य सचिव नदीम असलम चौधारी ने कहा कि बंदूकधारियों ने गुरुवार को उत्तर–पश्चिमी पाकिस्तान के एक आदिवासी इलाके में यात्री वाहनों पर गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 38 लोग मारे गए और 29 घायल हो गए। चौधारी ने कहा, कुर्रम आदिवासी जिले में हुए हमले में मरने वालों में एक महिला और एक बच्चा भी शामिल है, उन्होंने कहा, ष्यह एक बड़ी त्रासदी है और मरने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना है। अफगानिस्तान की सीमा से लगे कबायली इलाके में भूमि विवाद को लेकर सशस्त्र शिया और सुन्नी मुसलमानों के बीच दशकों से तनाव बना हुआ है।किसी भी समूह ने घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है। पाराचिनार के एक स्थानीय निवासी जियारत हुसैन ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को टेलीफोन पर बताया। यात्री वाहनों के दो काफिले थे, एक पेशावर से पाराचिनार और दूसरा पाराचिनार से पेशावर जा रहा था, तभी हथियारबंद लोगों ने उन पर गोलियां चला दीं। काफिले में रिश्तेदार पेशावर से जा रहे थे। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने एक बयान में यात्री वाहनों पर हमले की कड़ी निंदा की।

भाजपाई हुए कैलाश गहलोत, केजरीवाल के लिए बहुमत पाना होगा मुश्किल

अगर वाकई भाजपा, अपनी रणनीति में कामयाब हो जाती है तो निश्चित तौर पर इसका असर आम आदमी पार्टी पर पड़ेगा। आप के लिए इस बार बड़ी चुनौती सिर्फ भाजपा की तरफ से ही नहीं आ रही है बल्कि कांग्रेस खासकर राहुल गांधी भी इस बार दिल्ली में पार्टी को मजबूत देखना चाहते हैं। रविवार को दिल्ली सरकार और आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देने वाले कैलाश गहलोत ने सोमवार को भाजपा का दामन थाम लिया। हालांकि गहलोत के आतिशी मंत्रिमंडल और आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देने के साथ ही यह तय माना जा रहा था कि उनका अगला ठिकाना भाजपा ही होने जा रहा है। इसी के साथ अब यह सवाल खड़ा हो गया है कि कैलाश गहलोत कुछ महीनों बाद ही दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को कितना फायदा पहुंचा सकते हैं। सवाल यह भी खड़ा हो रहा है कि क्या कैलाश गहलोत का कद वाकई इतना बड़ा है कि श्शीशमहलश सहित उनके द्वारा लगाए गए तमाम आरोपों से अरविंद केजरीवाल की छवि को कुछ नुकसान पहुंच सकता है। यह बात बिल्कुल सही है कि कैलाश गहलोत आज जो आरोप लगा रहे हैं,लगभग उसी तरह के आरोप भाजपा पिछले लंबे समय से लगा रही है। दूसरी बात यह है कि , यह सब जानते हैं और मानते भी हैं कि आज की तारीख में आम आदमी पार्टी वन मैन पार्टी बन कर रह गई है। आप का मतलब, आज की तारीख में सिर्फ अरविंद केजरीवाल ही रह गया है। ऐसे में बाकी मुद्दे लगभग गौण हो जाते हैं। रविंद केजरीवाल की दिल्ली में सबसे बड़ी ताकत वो लाभार्थी वर्ग है जो उन्होंने महिलाओं को फ्री डीटीसी बस सेवा और दिल्लीवासियों को फ्री बिजली और पानी देकर तैयार किया है। इसके साथ ही केजरीवाल ने बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से आने वाले लोगों के साथ–साथ जाट और मुस्लिम समुदाय के सॉलिड वोट बैंक का इतना मजबूत किला बना रखा है कि जिसे ढहाना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। यही वजह है कि भाजपा इस बार अरविंद केजरीवाल के मजबूत मोहरों के सहारे ही उन्हें विधानसभा चुनाव में मात देना चाहती है। कैलाश गहलोत का भाजपा में आना तो महज एक शुरुआत माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि आने वाले दिनों में केजरीवाल के कई कद्दावर नेता भाजपा का दामन थाम सकते हैं। ये सभी नेता आप सरकार की विफलताओं के साथ– साथ केजरीवाल की छवि पर भी चोट करेंगे। कैलाश गहलोत को पार्टी में शामिल कराकर भाजपा ने दिल्ली के जाट समुदाय को बड़ा संदेश देने का प्रयास किया है। आने वाले दिनों में भाजपा , आप में और ज्यादा तोड़–फोड़ कर बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से आने वाले दिल्ली के मतदाताओं को भी लुभाने का प्रयास करेगी। अगर वाकई भाजपा, अपनी रणनीति में कामयाब हो जाती है तो निश्चित तौर पर इसका असर आम आदमी पार्टी पर पड़ेगा। आप के लिए इस बार बड़ी चुनौती सिर्फ भाजपा की तरफ से ही नहीं आ रही है बल्कि कांग्रेस खासकर राहुल गांधी भी इस बार दिल्ली में पार्टी को मजबूत देखना चाहते हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से प्रेरित होकर कांग्रेस की दिल्ली प्रदेश ईकाई प्रदेश में श्दिल्ली न्याय यात्राश निकाल रही है। यह माना जा रहा है कि अगर कांग्रेस मजबूती से दिल्ली में विधानसभा चुनाव लड़ती है तो फिर मामला पूरी तरह से त्रिकोणीय हो जाएगा। शीशमहल को लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों अरविंद केजरीवाल की छवि पर लगातार चोट कर रहे हैं। ऐसे माहौल में यह तय माना जा रहा है कि 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में 70 में से 62 सीटें जीतने वाली आम आदमी पार्टी के लिए इस बार बहुमत तक पहुंचना काफी मुश्किल होने जा रहा है। हम सबको दिल्ली में 2013 में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों को जरूर ध्यान रखना चाहिए जब भाजपा को 32 (सहयोगी के साथ), आप को 28 और कांग्रेस को 8 सीटों पर जीत हासिल हुई थी।

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक,**सम्पादक कपिल देव शुक्ल** द्वारा विभव प्रिंटर्स गाटा सं025 लोलेपुर सुलतानपुर उ० प्र०. से मुद्रित तथा सलीमपुर ग्रेन्ट, पो० व थाना कुरेभार, जिला–सुलतानपुर (उ०प्र०) से प्रकाशित **सम्पादक– कपिल देव शुक्ल**,
मो० 9415739288,9721748962
E-mail: kdshukla-79@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र सुल्तानपुर न्यायालय होगा।